आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर, सोमवार, 03 नवम्बर 2025 ■ कार्तिक शुक्ल पक्ष-13 ■ वर्ष- 41 ■ अंक-214 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 04 नवम्बर 2025 ■ मूल्य 2.00 रु.

सड़क हादसों का सोमवार

गिट्टी लदे डंपर और बस में टक्कर, 20 की मौत

हैदराबाद, 3 नवम्बर। तेलंगाना में भीषण सड़क हादसा हुआ है। गिट्टी लदी डंपर और बस की टक्कर में 20 लोगों की मौत हो गई है। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हैदराबाद-बीजापुर नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह गिट्टी से लदे डंपर ने आरटीसी बस को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस सवार 20 लोगों की मौत हो गई। वहीं कई लोग घायल हो गए। बस तंदूर से हैदराबाद जा रही थी, जिसमें 70 से अधिक यात्री सवार थे। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

मृतकों में ज्यादातर कॉलेज छात्र हैं। ये रविवार की छुट्टी में घर गए थे और कॉलेज अटेंड करने के लिए हैदराबाद लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि चेवेल्ला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में खानपुर गेट के पास तेज रफ्तार डंपर के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया और बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी थी कि बस बुरी तरह डैमेज हो गई और डंपर पर लदी गिट्टी बस के अंदर यात्रियों पर जा गिरी। बस के स्टाफ ने करीब 15 लोगों को बचाया। हादसे

की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। गिट्टी में दबे लोगों को निकालने के लिए जेसीबी से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। घायलों को पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया है।

टेंपो ट्रैवलर और ट्रक की भिड़ंत, 15 लोगों की मृत्यु

जयपुर, 3 नवम्बर। राजस्थान के जोधपुर-फलोदी में भारत माला एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक टेंपो ट्रैवलर और ट्रक की टक्कर से एक ही परिवार के 18 लोगों की दुखद मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए। कपिल मुनि आश्रम से लौटते समय हुई इस दुर्घटना पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को ?50,000 की अनुग्रह राशि की घोषणा की है, जिससे जोधपुर सड़क हादसा ट्रेंड कर रहा है।

राजस्थान के जोधपुर में रविवार को एक दुखद घटना में एक टेंपो ट्रैवलर के ट्रक से टकरा जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना जोधपुर के फलौदी में मतोड़ा गाँव के पास भारत माला एक्सप्रेसवे पर हुई। पुलिस टीमों ने स्थानीय निवासियों और वहाँ से गुज़र रहे वाहन चालकों के साथ मिलकर शवों को निकालने और घायलों की मदद के लिए बचाव अभियान

चलाया। पुलिस के अनुसार, सभी 18 मृतक एक ही परिवार के थे और जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी थे। वे कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना के बाद बीकानेर के कोलायत मंदिर से लौट रहे थे। घायलों को पहले पास के एक अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्नत उपचार के लिए ग्रीन कॉरिडोर के ज़रिए जोधपुर भेज दिया गया। सभी शवों को ओसियां ??के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया गया है। जोधपुर के पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश मथुरादास माथुर ने अस्पताल का दौरा कर उपचार व्यवस्था का जायजा लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 1 लाख करोड़ की स्कीम लॉन्च की

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। दिल्ली के भारत मंडपम में पीएम नरेंद्र मोदी ने इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव (ESTIC) 2025 का उद्घाटन आज किया। इस

दौरान देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट इकोसिस्टम को बढ़ाने के लिए एक लाख करोड़ रुपए की रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन स्कीम फंड लॉन्च किया। ESTIC 2025 कॉन्क्लेव 5 नवंबर तक चलेगा। इसमें शिक्षा जगत, अनुसंधान संस्थानों, उद्योग और सरकार के 3,000 से अधिक प्रतिभागियों के साथ-साथ नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रख्यात वैज्ञानिक, इनोवेटर्स और पॉलिसी मेकर्स भी शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अब केवल टेक्नोलॉजी का कन्ज्यूमर नहीं रह गया है। वह टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रांसफॉर्मेशन का पायोनियर बन गया है। दुनिया का सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत के पास है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि जब विज्ञान का पैमाना मिलता है, जब नवाचार समावेशी हो जाता है, जब प्रौद्योगिकी परिवर्तन को प्रेरित करती है, तब बड़ी उपलब्धियों की नींव रखी जाती है। हम रिसर्च को आसान बनाने पर फोकस कर रहे हैं ताकि भारत में नवाचार का एक मॉडर्न इकोसिस्टम डेवलप हो सके।

11 सेक्टर्स पर चर्चा होगी

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, विचार-विमर्श 11 प्रमुख सेक्टरों पर केंद्रित होगा। इसमें एडवांस मैटेरियल्स एंड मैन्युफैक्चरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायो-मैन्युफैक्चरिंग, ब्लू इकॉनमी, डिजिटल कम्युनिकेशन शामिल हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, उभरती एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी, एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट, हेल्थ एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी, क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलॉजी और स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर पर भी चर्चा की जाएगी।

संक्षेप

एनीकट में बहे रेलवे अधिकारी की दो दिन बाद मिली लाश एक अब भी लापता

बिलासपुर, 3 नवम्बर। बिल्हा के चूराघाट एनीकट में पिकनिक मनाने के दौरान डूबे रेलवे अधिकारी का शव दो दिन बाद सोमवार सुबह बरामद किया गया है। वहीं उनका साला अब भी लापता है, जिसकी तलाश एसडीआरएफ की टीम गोताखोरों की मदद से कर रही है। यह दर्दनाक हादसा शनिवार को हुआ था, जब दोनों एनीकट में नहा रहे थे और तेज बहाव की चपेट में आ गए थे। जानकारी के अनुसार, बिल्हा रेलवे कॉलोनी निवासी संतोष राम रेलवे विभाग में एसएससी पद पर पदस्थ थे। वे शनिवार को अपनी पत्नी, बच्चों और साले अनुज कुमार सहित पूरे परिवार के साथ पिकनिक मनाने चूराघाट एनीकट पहुंचे थे। पिकनिक के दौरान संतोष और उनका साला अनुज नहाने के लिए एनीकट में उतरे, तभी तेज बहाव की चपेट में आने से संतोष राम डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए साला अनुज कुमार पानी में उतरा, लेकिन वह भी तेज बहाव में बह गया। दोनों को बहते देख परिवार में चीख-पुकार मच गई। रोती-बिलखती महिलाओं और बच्चों ने गांव के लोगों को सूचना दी। सूचना मिलते ही बिल्हा पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफटीम और स्थानीय मछुआरों की सहायता से रेस्क्यू अभियान चलाया दोनों का कोई पता नहीं चल सका।

नशे में धुत शख्स ने महिला को चलती ट्रेन से फेंका

तिरुवनंतपुरम, 3 नवंबर। केरल में एक चलती ट्रेन से 19 वर्षीय युवती को धक्का देकर बाहर फेंक दिया गया। घटना के बाद युवती गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने युवती की सहेली पर भी हमला किया, लेकिन वह दरवाजा पकड़कर बच गई। पुलिस ने नशे की हालत में धुत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना रविवार रात की है, जब अलुवा से तिरुवनंतपुरम जा रही केरल एक्सप्रेस ट्रेन वर्कला और कडक्कवूर स्टेशन के बीच अयंती पुल के पास पहुंची। पलोडे निवासी 19 वर्षीय युवती शौचालय से बाहर निकल रही थीं, तभी पनाचमूडु निवासी सुरेश कुमार (48) ने उन्हें अचानक धक्का दे दिया। पीड़िता ट्रेन से नीचे गिर गईं और उनके सिर व पेट में गंभीर चोटें आईं। वह अपनी सहेली के साथ यात्रा कर रही थीं। आरोपी सुरेश कुमार ने सहेली पर भी हमला किया और उसे भी धक्का देने की कोशिश की, लेकिन उसने ट्रेन का दरवाजा मजबूती से पकड़ लिया। अन्य यात्रियों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और अर्चना को ऊपर खींचकर बचा लिया।

अनिल अंबानी ग्रुप की 3084 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 3 नवंबर। ईडी ने अनिल अंबानी के स्वामित्व वाले रिलायंस ग्रुप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने समूह से जुड़ी लगभग 3,084 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां कुर्क की हैं। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 5(1) के तहत 31 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के आधार पर की गई है। कुर्क की गई संपत्तियों में मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित पाली हिल पर अनिल अंबानी का आवास भी शामिल है। ईडी की ओर से जब्त की गई संपत्तियों में मुंबई के पाली हिल स्थित आवास, नई दिल्ली के रिलायंस सेंटर की संपत्ति, तथा दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मुंबई, पुणे, ठाणे, हैदराबाद, चेन्नई (कांचीपुरम सहित) और पूर्वी गोदावरी में स्थित अन्य कई कार्यालय, आवासीय इकाइयां और प्लॉट शामिल हैं।

कबाड़ी दुकान में आग, लाखों का सामान जलकर राख

भिलाई, 3 नवम्बर। भिलाई-3 क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक कबाड़ी की दुकान में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के मुताबिक, आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में दुकान का अधिकांश सामान जलकर खाक हो गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर अंदर घुसकर आग पर नियंत्रण पाया। टीम ने आस-पास की अन्य दुकानों और घरों तक आग फैलने से पहले ही स्थिति को काबू में कर लिया। दमकल कर्मियों की तत्परता से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग भड़की होगी। पुलिस और फायर विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

बेमेतरा राज्योत्सव में बवाल, सांसद के सामने कलेक्टर के खिलाफ नारेबाजी

बेमेतरा, 3 नवम्बर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती पर बेमेतरा के बेसिक स्कूल खेल मैदान में तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम शुरू हुआ. लेकिन रजत जयंती उत्सव कार्यक्रम पहले ही दिन विवादों की भेंट चढ़ गया. कार्यक्रम में बैठक व्यवस्था को लेकर कलेक्टर रणबीर शर्मा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं में कहा- सुनी हो गई. मामला इतना बढ़ गया कि भाजपाइयों ने दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद और राज्योत्सव के मुख्य अतिथि विजय बघेल के सामने कलेक्टर रणबीर शर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी. विधायक दीपेश साहू सहित अन्य भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल से बहिर्गमन कर दिया.

पार्षद लक्की साहू मीडिया से बातचीत करते हुए बताया

कार्यक्रम छोड़कर चले गए विधायक

राज्योत्सव के कार्यक्रम में सभी लोग बैठे हुए थे. वही सामने लाइन में कलेक्टर रणबीर शर्मा बैठे थे. उनके पीछे वाली लाइन में भाजपा कार्यकता और पार्षद बैठे थे. इसी दौरान कलेक्टर रणबीर ने वेटर को बुलाया और उन्हें डांटने लगे. कहा-चलो यहां से भागो. उसके कुछ ही सेकंड बाद उन्होंने ऊंची आवाज में भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी कहा-चलो आप लोग भी यहां से पीछे बैठों.

कार्यक्रम के दौरान भाजपाइयों ने की नारेबाजी: राज्योत्सव कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर रणबीर शर्मा के व्यवहार से आहत पार्षद और भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन और कलेक्टर रणबीर शर्मा के खिलाफ जमकर नारे बाजी भी की. बता दें रविवार को तीन दिवसीय राज्योत्सव का शुभारंभ हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल रहे. उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर राज्योत्सव का शुभारंभ किया.

कलेक्टर पर बदसलूकी का लगाया आरोप

भाजपा कार्यकताओं ने पूरी बात विधायक दीपेश साहू को बताई, जिसके बाद कार्यकताओं के साथ विधायक दीपेश साहू भी कार्यक्रम छोड़कर बाहर निकल गए. पार्षद आकिब मलकानी ने बताया कलेक्टर की कही बात हमें अच्छी नहीं लगी. हम जनप्रतिनिधि हैं, हमारे साथ अन्य पार्षद भी थे. कलेक्टर का यह व्यवहार हमें बिल्कुल ठीक नहीं लगा और हम रेस्ट हाउस आ गए.

अमानक दवाइयां मिलने के मामले में की जाएगी सख्त कार्रवाई : जायसवाल

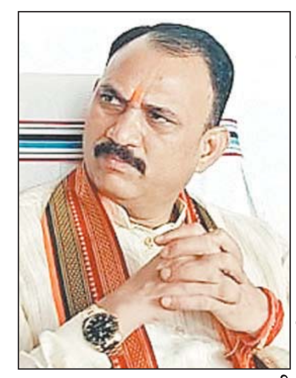

रायपुर, 3 नवम्बर। सरकारी अस्पतालों में अमानक दवाइयां मिलने के मामले पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि पिछले 5 सालों में सीजीएमएससी के सिस्टम में जंग लग गया था, उन सभी बीमारियों को हमने ठीक करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कोई भी जांच या कार्रवाई होती है, तो हम उसे जनता के सामने रखते हैं। जो भी गलत पाया जा रहा है, उस पर हम कार्रवाई कर रहे हैं। अमानक दवाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बता दें कि हाल ही में छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दवाओं की गुणवत्ता को लेकर एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। रायपुर स्थित ड्रग वेयरहाउस ने सभी प्रमुख शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देश दिया है कि ऑफ्लॉक्सासिन ऑर्निडाजोल टैबलेट के एक विशेष बैच का उपयोग तत्काल प्रभाव से रोक दिया जाए।

कांग्रेस के हस्ताक्षर अभियान पर बयान

वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस के 20 लाख लोगों के हस्ताक्षर अभियान पर बयान देते हुए मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य की आबादी का 10 प्रतिशत भी हस्ताक्षर नहीं हुआ है। कितने हस्ताक्षर बैठकर किए गए, यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है।

उपराष्ट्रपति के राजनांदगांव प्रवास की तैयारियों का विधानसभा अध्यक्ष सिंह ने लिया जायजा

राजनांदगांव, 3 नवम्बर। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के आगामी राजनांदगांव प्रवास को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने शुक्रवार को स्टेट स्कूल मैदान पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

डॉ. सिंह ने मुख्य मंच, प्रदर्शनी स्टॉल, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल, बेरिकेटिंग सहित अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंकिता शर्मा ने सुरक्षा, यातायात और पार्किंग

व्यवस्था की रूपरेखा से अवगत कराया। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव, जनप्रतिनिधि कोमल सिंह राजपूत, सौरभ कोठारी, भावेश बैद, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल शर्मा, आयुक्त नगर पालिक निगम अतुल विश्वकर्मा, एसडीएम गौतम पाटिल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उपराष्ट्रपति का यह प्रवास जिले के लिए गौरव का विषय है और प्रशासन को चाहिए कि इस कार्यक्रम को भव्य व व्यवस्थित तरीके से आयोजित किया जाए।

कुलगाम में दो आतंकी ठिकाने ध्वस्त

कुलगाम, 3 नवम्बर। अहमदाबाद और नेंगरीपोरा वन क्षेत्रों के बीच इन ठिकानों का पता लगाया गया और बाद में इनका दोबारा इस्तेमाल रोकने के लिए इन्हें नष्ट कर दिया गया। वन क्षेत्रों की घेराबंदी कर दी गई है और आगे भी तलाशी अभियान जारी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई और छिपा हुआ भंडार या आतंकवादी गतिविधियाँ न हों। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के दमहाल हंजीपोरा के वन क्षेत्रों में एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान दो पुराने आतंकवादी ठिकानों को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया। विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद, 9 राष्ट्रीय राइफल्स और स्थानीय पुलिस ने यह अभियान चलाया। अहमदाबाद और नेंगरीपोरा वन क्षेत्रों के बीच इन ठिकानों का पता लगाया गया और बाद में इनका दोबारा इस्तेमाल रोकने के लिए इन्हें नष्ट कर दिया गया। वन

पिछले महीने अनंतनाग में हुआ था ऑपरेशन

यह पिछले महीने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग ज़िले के हॉर्नाग-वतकश जंगल में इसी तरह के एक ऑपरेशन के बाद हुआ है, जहाँ सुरक्षा बलों को एक सुरक्षित ठिकाना मिला था। यह तलाशी 19 राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। अधिकारियों ने घटनास्थल से बैकपैक, गर्म कपड़े, बर्तन, खुदाई के औज़ार, एक गैस सिलेंडर और संदिग्ध युद्ध-संबंधी सामान बरामद किए। इन चीज़ों से संकेत मिलता है कि इस ठिकाने पर हाल ही में आतंकवादियों ने कब्ज़ा किया होगा, जो सुरक्षा बलों की मौजूदगी का पता चलने के बाद भाग गए होंगे।

क्षेत्रों की घेराबंदी कर दी गई है। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि हवाई निगरानी से बचने के लिए इन ठिकानों को रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया था और ये इस क्षेत्र में आतंकवादियों के अस्थायी ठिकानों के रूप में काम कर सकते थे।

कोर्ट का आदेश / अगर संबंधित मामले के आदेशों के अनुपालन में चूक होती है तो मुख्य सचिवों को फिर से पेश होना पड़ेगा

आवारा कुत्तों के शिकार लोगों की भी बात सुनी जाएगी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर संबंधित मामले के आदेशों के अनुपालन में चूक होती है तो मुख्य सचिवों को फिर से पेश होना पड़ेगा। कोर्ट ने कहा कि अब मुख्य सचिवों की प्रत्यक्ष उपस्थिति जरूरी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह उन लोगों की भी सुनवाई करेगा जिनको कुत्तों ने काटा है और इसके बाद सात नवंबर को आदेश पारित करेगा। वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि अधिकतर राज्यों ने अनुपालन हलफनामे दायर कर दिए हैं। कोर्ट ने केरल के मुख्य सचिव द्वारा दायर छूट के अनुरोध वाले आवेदन को अनुमति दे दी है और कहा इस बात को संज्ञान में लिया

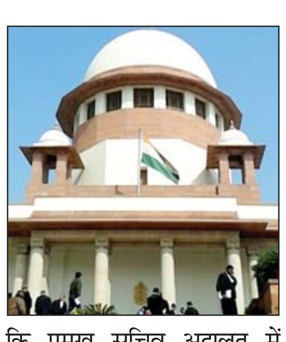

कि प्रमुख सचिव अदालत में उपस्थित हैं। इसके अलावा भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड को इस मामले में पक्षकार बनाने को कहा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश स पूछा कि पिछली तारीख पर अनुपान हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया? बता दें कि पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को उसके समक्ष उपस्थित रहने का निर्देश दिया था। जस्टिस विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की तीन सदस्यीय विशेष पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि अधिकतर राज्यों ने अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल कर दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ने 27 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करते हुए पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को उसके समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दायर किए गए।

महाकाल मंदिर के लिए मस्जिद तोड़ने के मामले मे मुस्लिम पक्ष पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। मध्य प्रदेश के उज्जैन की एक मस्जिद का विवाद अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। उज्जैन की तकिया मस्जिद के विध्वंस को बरकरार रखने के मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के हालिया फैसले को चुनौती देते हुए देश की सबसे बड़ी अदालत का दरवाजा खटखटाया गया है। मस्जिद में नमाज अदा करने वाले 13 स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि महाकाल मंदिर के पार्किंग को बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने 200 साल पुरानी मस्जिद को तोड़ दिया।

बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ताओं ने कहा कि मस्जिद को 1985 में वक्फ के रूप में अधिसूचित किया गया था और इस साल जनवरी में 'अवैध घोषित किए जाने और मनमाने तरीके से ध्वस्तीकरण' से पहले 200 सालों तक इसका इस्तेमाल होता रहा। इस तरह

इस प्रकार यह विध्वंस पूजा स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991, वक्फ अधिनियम 1995 (अब एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995) और भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में निष्पक्ष मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 का उल्लंघन करता है। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि ध्वस्तीकरण से पहले सरकार की ओर से की गई भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में अनियमितता है। याचिकाकर्ताओं ने आगे आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने राज्य सरकार ने अधिग्रहण की झूठी कहानी गढ़ने के लिए क्षेत्र में अवैध कब्जाधारियों और अतिक्रमणकारियों को मुआवजा दे दिया। याचिकाकर्ताओं ने मस्जिद को दोबारा बनवाने के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का रुख किया था। हालांकि, पहले सिंगल बेंच और फिर डबल बेंच ने याचिका खारिज कर दी थी।

कम उपस्थिति के कारण विधि पाठ्यक्रम के किसी भी छात्र को परीक्षा देने से न रोका जाए : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को व्यवस्था दी कि देश में विधि पाठ्यक्रम के किसी भी छात्र को न्यूनतम उपस्थिति न होने के कारण परीक्षा देने से नहीं रोका जा सकता। उच्च न्यायालय ने विधि महाविद्यालयों में अनिवार्य उपस्थिति की आवश्यकता से संबंधित कई निर्देश जारी करते हुए बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को उपस्थिति मानकों में बदलाव करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि कम उपस्थिति के कारण छात्र को परीक्षा देने से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति शर्मा की पीठ ने यह आदेश स्वतः संज्ञान याचिका का निपटारा करते हुए दिया।

2016 में विधि के छात्र सुषांत रोहिल्ला की आत्महत्या के मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह याचिका शुरू की थी। रोहिल्ला ने कथित तौर

पर आवश्यक उपस्थिति न होने के कारण सेमेस्टर परीक्षा देने से रोके जाने के बाद अपने घर में आत्महत्या कर ली थी। पीठ ने कहा, सभी पक्षों की दलीलों और सामने आई वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए अदालत का मानना है कि सामान्य शिक्षा और विशेष रूप से विधि शिक्षा में ऐसे कठोर नियम नहीं होने चाहिए, जिनसे छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो। सुशांत रोहिल्ला एमिटी विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष के छात्र थे। उन्होंने 10 अगस्त 2016 को आत्महत्या की थी।

छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग अध्यक्ष ने राज्योत्सव का विधिवत किया शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर आचार्य पंथ श्री गृथमुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदान में तीन दिवसीय राज्योत्सव रजत महोत्सव का आज भव्य आगाज हुआ। शाम 5 बजे से छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कृति, लोककला और परंपराओं की खुशबू से मैदान महक उठा। कलाकारों ने छत्तीसगढ़ की लोकधुनों, रीति-रिवाजों और पारंपरिक नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री विशेषर पटेल ने छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर राज्योत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने की। कार्यक्रम में जिला पंचायत के अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष जिला पंचायत कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व संसदीय सचिव डॉ सियाराम साहू, जिला पंचायत सभापति राम कुमार भट्ट, , अध्यक्ष जनपद पंचायत कवर्धा श्रीमती सुषमा बघेल, जिला बीजेपी उपाध्यक्ष नितेश अग्रवाल, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष मनीराम साहू, , कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल ने अपने उद्बोधन में सभी जिले वासियों को राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने की बधाई दी और कहा यह हम सभी प्रदेशवासियों के लिए गर्व का अवसर है। छत्तीसगढ़ को हम महतारी मानते हैं। प्रदेशवासियों की जनभावना को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व अटल बिहारी बाजपेयी ने सम्मान देते हुए एक अलग प्रदेश की सौगात हमें दी। जिसने इस पूरे अंचल के विकास की दशा और दिशा बदल कर रख दी। यहां से मिलने वाला राजस्व राज्य गठन के बाद स्थानीय विकास को आगे बढ़ाने में उपयोग होने लगा। प्रदेश में साथ कबीरधाम जिले विकास की राह पर निरंतर अग्रसर है। आज जिले के किसानों का काम देखने अब प्रदेश के बाहर के लोग यहां आते हैं। कबीरधाम जिले ने सिंचाई के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के प्रयासों से जिले के विकास को एक नई ऊंचाई मिली। उनकी विरासत को अब आगे बढ़ाने का कार्य उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा कर रहे हैं, जिनके प्रयासों से जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, स्कूलों में डिजिटल क्लास, पीएम आवासों के निर्माण में प्रगति की सौगात जिलेवासियों को मिली है। उनके सतत प्रयासों से प्रदेश का खजुराहो भोरमदेव के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्य को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र में स्वदेश दर्शन योजना के माध्यम से अंकित होने का अवसर मिलने जा रहा है। 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने विकास के कई सोपान तय किए हैं। उद्बोधन के अंत में उन्होंने कहा कि आज के दिन हम संकल्प लें कि प्रदेश आगे विकास की नई बुलंदियों को छूए इसके लिए राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ हम अपना योगदान अवश्य दें। छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने सभी को राज्य स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में जिले में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास होने के साथ उन्नत कृषि को भी बढ़ावा यहां के प्रगतिशील किसानों ने अपने परिश्रम से दिया है। उन्होंने कहा कि गन्ने के उत्पादन के साथ यहां के किसानों ने परंपरागत खेती के साथ कृषि में नवाचार को आगे बढ़ाया है। जिसने जिले को एक नई पहचान दी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू ने कहा कि भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित छत्तीसगढ़ आज अपने स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रजत महोत्सव मना रहा है। यह पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने इन वर्षों में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आज गरीब, किसान, मजदूर और वनवासियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से गांव, गरीब और किसानों का जीवन स्तर तेजी से बदल रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ नए आयाम स्थापित कर रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि भारत रत्न स्व श्री अटल बिहारी बाजपेयी की उन्नति और प्रगतिशील छत्तीसगढ़ के सोच और संकल्पना को आगे बढ़ाने का काम हम कर रहे हैं। यहां जनसुविधाओं का निरंतर विस्तार हुआ है। जिले में गन्ना उत्पादक किसानों ने न सिर्फ कृषि के क्षेत्र में सफलता का नया आयाम सृजित किया है अपितु अंचल सहित पूरे प्रदेश में अपनी मेहनत से मिठास घोला है। पिछले 25 वर्षों में जिले ने विकास के कई पड़ावों को पार किया है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बताया कि 1 नवंबर 2000 को गठित छत्तीसगढ़ ने 25 वर्षों की सफल विकास यात्रा के साथ पूरे देश में अपना विशेष स्थान बनाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 01 नवंबर को राज्योत्सव के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कबीरधाम जिले के 13 हजार 376 हितग्राहियों को सांकेतिक गृह प्रवेश कराया वहीं जिले में 16 हजार से अधिक नए आवासों को स्वीकृति प्रदान की। पिछले 25 वर्षों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का सुदूर अंचलों तक विस्तार हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुलभ की जा रही है। पीएम आवास और जल जीवन मिशन से घर घर तक पक्की छत और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।कबीरधाम जिले में पीएम जनमन योजना बैगा जनजाति के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह अवसर है जब हम संकल्प लें कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली और समृद्ध संस्कृति विरासत के संवाहक बन कर आने वाले भविष्य को सुदृढ़ बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। कार्यक्रम के औपचारिक शुभारंभ के पूर्व मुख्य अतिथि अध्यक्ष विशेषर पटेल के साथ सभी अतिथियों ने राज्योत्सव में लगाए गए सभी विकास कार्यों पर आधारित विभागीय प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। मंच संचालन अवधेश नन्दन श्रीवास्तव ने किया।

राज्योत्सव के पहले दिन जैसे-जैसे आकाश में चांदनी बिखरती गई, वैसे-वैसे राज्योत्सव महोत्सव का मंच भी छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और लोक रंग से आलोकित होता गया। एक के बाद एक मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिले के स्कूली बच्चों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। छत्तीसगढ़ के पद्मश्री डॉ. भारती बंधु के कबीर गायन ने अपनी सुमधुर वाणी से कवर्धा की पावन धरती को भक्ति, सद्भाव और समरसता की भावना से गुंजायमान कर दिया। उनके द्वारा प्रस्तुत अमर रचना ÷छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिला के÷ ने श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित दर्शक भाव-विभोर होकर कबीर की वाणी और भारती बंधु की गायकी में डूबते चले गए। कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत लोक नृत्य ÷छत्तीसगढ़ दर्शन - प्रमुख त्यौहार÷ ने कार्यक्रम की शोभा को और निखारा। इसके बाद श्री धनीदास मानिकपुरी ने अपने साथी कलाकारों के साथ ÷मयारु के मया÷ कार्यक्रम की मोहक प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ महतारी को समर्पित गीत ÷मै माथ नवाओं ओ मोर ए माटी महतारी÷ के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य की महिमा का सुरीला बखान किया, जिसने पूरा वातावरण माटी के गौरव और मया से भर दिया।

विद्यार्थियों के उत्साह से भरपूर नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया

कार्यक्रम की शुरुआत में कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत लोक नृत्य छत्तीसगढ़ दर्शन प्रमुख त्यौहार से हुई, जिसने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। इस मनमोहक प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विविध लोक पर्वों को रंगारंग ढंग से प्रस्तुत किया। मनभावन संगीत, पारंपरिक वेशभूषा और उत्साह से भरपूर नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मयारु के मया ने बिखेरी लोकरंगों की सतरंगी छटा

राज्योत्सव के पहले दिन छत्तीसगढ़ के लोकरंगों की सतरंगी छटा मंच पर बिखरी। श्री धनीदास मानिकपुरी ने अपने साथी कलाकारों के साथ मयारु के मया कार्यक्रम की मोहक प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ महतारी को समर्पित मै माथ नवाओं ओ मोर ए माटी महतारी छत्तीसगढ़ राज्य की महिमा सुरीला बखान प्रस्तुत किया। कर्मा गीत करमा के ताल मा, मांदर के थाप मा आ संगी झूम के नाचो पर शानदार प्रस्तुति दी।

मंच पर हुई फनकारों की सुरीली जुगलबंदी

राज्योत्सव में मंच पर कवर्धा के फनकार श्री माधवेश केशरी और श्री ओमप्रकाश चंदेल ने अपनी सुरमयी जुगलबंदी करते हुए सदाबहार हिन्दी गीतों की बेहतरीन प्रस्तुति दी। उन्होंने सलामत रहे दोस्ताना हमारा गीत से अपने कार्यक्रम की शुरुआत की। जिसके बाद ए मेरे हमसफर, आने से उसके आए बहार, लिखे जो खत तुझे जैसे गीतों की शानदार प्रस्तुति दी।

एक नजर

सूने घर से जेवर, नगदी की चोरी

भिलाई,3 नवंबर। भिलाई मोहन नगर थाना अंतर्गत बाल संरक्षण आयोग के कर्मी परिवार समेत छठ मनाने के लिए पूरे परिवार को लेकर अपने गृहग्राम यूपी गया था सूने घर का फायदा उठाकर बदमाश ने सोने-चांदी के जेवरात समेत नगदी चोरी कर ले गया। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले में धारा 305, 331 (4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है मोहन नगर पुलिस ने बताया कि जवाहर नगर दुर्ग निवासी पंकज कुमार पाण्डेय (46 साल) ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह बाल अधिकार संरक्षण आयोग रायपुर मेंपदस्थ है 24 अक्टूबर की रात करीब 8.30 बजे अपने पूरे परिवार के साथ छठ पर्व मनाने के लिए अपने गृहग्राम बलिया उत्तरप्रदेश गया था घर में कोई नही था। ताला लगा हुआ था। शनिवार परिवार समेत घर वापसी की तो देखा मुख्य दरवाजा का ताला टूटा था। अंदर का सामान बिखरा पड़ा था बेडरुम एवं अन्य कमरे के दरवाजे भी खुले थे। आलमारी का लॉकर खुला पड़ा था। चेक करने पर दो ग्राम के सोने के कान के टाप्स, चांदी के चार सिक्के, चांदी की मुर्ति, पीतल की मुर्ति, ब्लुटुथ स्पीकर 02 नग हांथ घड़ी एवं नगदी गायब मिली कोई चोर लाखों रुपए के सामान चोरी कर ले गया ।

संप्रेक्षण गृह से 3 बालक फरार

भिलाई,3 नवंबर। भिलाई पुलगांव थाना अंतर्गत बाल संप्रेक्षण गृह से तीन अपचारी बालक फरार हो गए हैं एक नाबालिग हत्या और दूसरा लूट व तीसरा एक अन्य मामले में सुधार गृह में था भागे गए बाल कैदियों की सूचना मिलते ही पुलगांव थाना पुलिस ने शहर के चारों तरफ नाकेबंदी कर दी और उनकी तलाश में जुट गई है। गौरतलब हो कि दुर्ग के बाल संप्रेक्षण गृह से भागने का यह पहल मामला नहीं है.पहले भी यहां से नाबालिग भाग चुके हैं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर ने बताया कि तीन नाबालिगों की तलाश की जा रही है ।

महिला से बैग छीनकर बाइक सवार फरार

भिलाई,3 नवंबर। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के कृषक की पत्नी का बैग छीनकर अज्ञात मोटर साइकिल बदमाश भाग गए बैग में चार हजार रुपए नगद व मोबाइल था रिपोर्ट पर पुलिस मामले में धारा 3(5), 304 (2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही है पुरानी भिलाई पुलिस ने बताया कि मुकेश कश्यप निवासी वार्ड क्रमांक 5 दादर कृषि कार्य करता है उसने रिपोर्ट दर्ज करायी कि अपनी मोटर साइकिल से अपनी पत्नी श्रीमती गोदावरी कश्यप को पीछे बैठाकर चरोदा बाजार से अपने घर दादर जा रहा था पीछे से आ रहे मोटर साइकिल में बैठे दो अज्ञात युवक प्रार्थी की पत्नी के हाथ में रखे लेडीस बैग को छीन कर भाग गए बैग में चार हजार रूपये नगद एवं एक नग रियल मी मोबाइल था ।

नगर के उद्यानों को संवारने का काम तेजी से चल रहा

भिलाई, 3 नवंबर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर की हरियाली और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए निगम क्षेत्र के उद्यानों को संवारने का कार्य तेजी से जारी है। आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देश पर उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू के नेतृत्व में नियमित एवं प्लेसमेंट कर्मचारियों की टीम द्वारा शहर के विभिन्न उद्यानों में ग्रास कटिंग, साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। निगम क्षेत्र के प्रमुख उद्यानों, मैत्री विहार, मधुकामिनी, राशि, विवेकानंद (सेक्टर-1), विजय पार्क, सिविक सेंटर ट्रैफिक पार्क, शहीद उद्यान (सेक्टर-5), सुभाषचंद्र बोस उद्यान (प्रियदर्शनी परिसर), गांधी उद्यान, मिलेनियम उद्यान, महाराणा प्रताप उद्यान, कुसुम कानन, परी उद्यान, अमृत मिशन उद्यान, खुर्सीपार बापू नगर एवं कुरूद हाउसिंग बोर्ड उद्यान सहित कई स्थलों में हरियाली बढ़ाने और रखरखाव का कार्य लगातार किया जा रहा है। उद्यानों की सुंदरता और स्वच्छता को बनाए रखने के साथ ही नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने निगम प्रशासन गंभीर है। नगर के उद्यानों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं बच्चे प्रातः भ्रमण के लिए आते हैं, जिन्हें स्वच्छ और हरा-भरा माहौल मिले, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से निगम द्वारा महिला स्व सहायता समूहों की सहभागिता में वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी वूमेन फॉर ट्री' योजना के अंतर्गत अब तक 12,500 पौधे रोपे जा चुके हैं। इन पौधों की देखरेख एवं रखरखाव का कार्य वर्षभर महिला समूहों द्वारा किया जाएगा, जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिलेगी। सेक्टर-3 स्थित बीटीआई ग्राउंड में महिला समूह द्वारा लगाए गए कुछ पौधों को असामाजिक तत्वों ने नुकसान पहुँचाया है। निगम प्रशासन ने ऐसे व्यक्तियों की पहचान शुरू कर दी है। निगम ने स्पष्ट किया है कि पौधों को नुकसान पहुँचाने वालों के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे पौधारोपण एवं उनके संरक्षण में सक्रिय सहयोग दें, ताकि भिलाई का वातावरण स्वच्छ, हरा-भरा और सुंदर बन सके।

गोंदिया-बरौनी के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन यात्रियों को मिलेगी कंफर्म बर्थ की सुविधा

भिलाई, 3 नवम्बर। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा गोंदिया और बरौनी के बीच चार-चार फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इस ट्रेन का उद्देश्य यात्रियों को कन्फर्म बर्थ के साथ यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना है। स्पेशल ट्रेन नंबर 08843 गोंदिया-बरौनी 3, 4, 8 एवं 9 नवम्बर 2025 को गोंदिया से रवाना होगी, जबकि स्पेशल ट्रेन नंबर 08844 बरौनी-गोंदिया 4, 5, 9 एवं 10 नवम्बर को बरौनी से चलेगी। गाड़ी संख्या 08843 गोंदिया से शाम 17.15 बजे रवाना होकर डोंगरगढ़ (18.10), राजनांदगांव (18.35), दुर्ग (19.10), रायपुर (20.00), भाटापारा (21.15), बिलासपुर (22.15), चांपा (23.25) और रायगढ़ (अगले दिन 00.05 बजे) पहुंचते हुए अन्य निर्धारित स्टेशनों से होकर अगले दिन शाम 19.20 बजे बरौनी पहुंचेगी। वहीं, वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 08844 बरौनी से रात 22.25 बजे रवाना होकर रायगढ़ (अगले दिन 18.00), चांपा (19.05), बिलासपुर (21.05), भाटापारा (22.10), रायपुर (23.30), दुर्ग (00.20), राजनांदगांव (01.00), डोंगरगढ़ (01.25) होते हुए तीसरे दिन सुबह 02.20 बजे गोंदिया पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में कुल 20 कोच होंगे, जिनमें – 02 एसएलआरडी कोच, 05 सामान्य कोच, 10 स्लीपर कोच, 02 एसी थ्री टियर, 01 एसी टू टियर कोच शामिल हैं। रेलवे प्रशासन ने बताया कि ट्रेन में सभी श्रेणियों में पर्याप्त सीटें उपलब्ध हैं। यात्री अपनी सुविधा अनुसार अग्रिम आरक्षण कर यात्रा का लाभ उठा सकते हैं।

एशिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय दल के मैनेजर होंगे ताजुद्दीन

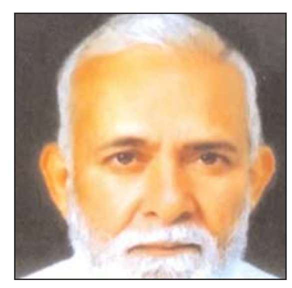

भिलाई, 3 नवंबर। तमिलनाडु के चेन्नई में आगामी 5 से 9 नवंबर तक आयोजित होने जा रही 23वीं एशिया मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में वरिष्ठ एनआईएस एथलेटिक्स कोच ताजुद्दीन को भारतीय दल का मैनेजर नियुक्त किया गया है। यह प्रतियोगिता मास्टर्स एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जा रही है। ताजुद्दीन पिछले कई वर्षों से मास्टर्स एथलेटिक्स के क्षेत्र में सक्रिय हैं और लगभग 40 वर्षों का लंबा अनुभव रखते हैं। उनके मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ मास्टर्स एथलीटों ने राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय प्रदर्शन किया है। एथलेटिक्स को नई दिशा देने वाले ताजुद्दीन को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय टीम का नेतृत्व करने का अवसर मिला है। मास्टर्स एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी डेविड प्रेमनाथ द्वारा पत्र जारी कर ताजुद्दीन की नियुक्ति की पुष्टि की गई है। वे वर्तमान में छत्तीसगढ़ मास्टर्स एथलेटिक्स संघ के सचिव भी हैं।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह में किया वॉकथॉन का आयोजन

भिलाई, 3 नवंबर। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा 3 नवंबर को प्रातः 7 बजे इस्पात भवन से इक्विपमेंट चौक तक वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शपथ दिलाकर संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने वॉकथॉन को झंडी दिखाकर रवाना किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय सत्यनिष्ठा- हमारी साझा जिम्मेदारी रखा गया है। इस वॉकथॉन का उद्देश्य समाज में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार के विरोध के प्रति जन-जागरूकता फैलाना रहा। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक एस. मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक ए. के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी. के. गिरी, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक पी. के. सरकार, कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारीगण, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सदस्य, खेल, सांस्कृतिक एवं नगर सेवाएं विभाग के प्रतिनिधि, कर्मचारी तथा इस्पात नगरी के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सतर्कता विभाग से अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मुख्य महाप्रबंधक एवं सहायक मुख्य सतर्कता अधिकारी सुनील सिंघल, महाप्रबंधक संदीप गुप्ता, सुश्री रेनू गुप्ता, सुश्री दीप्ति, उपमहाप्रबंधक अंशुमान सिंह, नौशाद, वरिष्ठ प्रबंधक अनुराग मित्तल, सहायक प्रबंधक प्रफुल करोडे एवं राम प्रवेश भी उपस्थित रहे।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने किया शासकीय स्टॉल का निरीक्षण, योजनाओं की सराहना की

दुर्ग, 3 नवम्बर । राज्योत्सव के दौरान जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित विभागीय स्टॉल लगाए गए, जिनका अवलोकन मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, छ.ग.तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू, नगर पालिक निगम दुर्ग महापौर श्रीमती अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू, श्री सुरेन्द्र कौशिक सहित स्थानीय व जिले के जनप्रतिनिधियों ने किया। इन स्टॉलों के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई एवं पात्र हितग्राहियों को लाभ भी प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसमें टी.बी., सिकलिंग, हीमोग्लोबिन, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड, नेत्र परीक्षण, बीपी, शुगर जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।विद्युत विभाग द्वारा लगाए स्टॉल में पीएम सूर्यघर योजनांतर्गत घरों की छत पर सोलर रूफटॉप पेनल लगाकर किस तरह मुफ्त बिजली की ओर बढ़ा जा सकता है, इसमें पीएम सूर्यघर का मॉडल भी रखा गया है, जिससे उक्त योजना को भौतिक रूप से समझा जा सके। 25 वर्षो के विकास यात्रा को चार्ट के माध्यम से दर्शाया गया है, जिससे यह परिलक्षित होता है कि विगत 25 वर्षो में उर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है।जल संसाधन विभाग द्वारा खरखरा जलाशय से शिवनाथ नदी तक पाईन लाईन द्वारा जलपूर्ति परियोजना को मॉडल बनाकर दर्शाया गया है।उद्यानिकी विभाग ने अपने स्टॉल में देश फलदार पौधों, सब्जी उत्पादन और ग्रीन हाउस जैसी योजनाओं की जानकारी दी। खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनाने व कृषकों की आय में वृद्धि करने ऑयल पाम खेती के बारे में जानकारी दी गई, जिससे अन्य किसान प्रेरित हो सकें।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा टीएलएम या शिक्षण अधिगम सामग्री, शिक्षकों द्वारा छात्रों के अधिगम अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली शिक्षण सहायक सामग्री है। ये सामग्री दृश्य, श्रवण या स्पर्शनीय अधिगम सहायक सामग्री के रूप में कार्य करती हैं, जिससे छात्रों को अमूर्त अवधारणाओं को अधिक आसानी से समझने में मदद मिलती है।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बदलती हुई आंगनबाड़ी के स्वरूप को बताने का प्रयास किया गया है। आंगनबाड़ी केन्द्रों में खेलों के माध्यम से कहानियों और चित्रों के माध्यम से दिनचर्या से एक दूसरे के व्यवहार से रोल प्ले और नाटक के माध्यम से बहुत अधिक सीखते है। आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को शाला पूर्व अनौपचारिक शिक्षा इसीसीई की गतिविधियों पर आधारित थीम के आधार पर स्टॉल तैयार किया गया है।कृषि विभाग ने खाद-बीज, कीट नियंत्रण, जैविक खेती, सॉयल हेल्थ कार्ड और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं की जानकारी दी। मत्स्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में मछुआरों के लिए योजनाएं प्रदर्शित की गईं। इस अवसर पर आमजन ने स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और विभागीय अधिकारियों से मार्गदर्शन भी लिया। कार्यक्रम में विभागीय समन्वय, जनसहभागिता और पारदर्शिता के साथ शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास किया गया।

सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने संजय तिवारी

भिलाई, 3 नवंबर। समाज सेवा और गौ सेवा के क्षेत्र में सक्रिय संजय तिवारी को सनातन धर्म परिषद् न्या की शाखा सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति सनातन धर्म परिषद् न्यास के अध्यक्ष अवध बिहारी दास द्वारा प्रदान की गई है। संजय तिवारी, एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज, चिखली के चेयरमैन हैं और लंबे समय से मानव सेवा, गौसेवा एवं सामाजिक उत्थान के कार्यों में सक्रिय हैं। वे स्वर्गीय सुधाकर तिवारी मेमोरियल गौशाला का संचालन करते हुए गौवंश की सुरक्षा और सेवा में निरंतर जुटे हैं। साथ ही, वे सनातन संस्कृति के संरक्षण और प्रसार के लिए भी उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। संजय तिवारी द्वारा संचालित एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज के माध्यम से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराई जा रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी वे नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। उनकी सामाजिक सेवाओं और गौ रक्षा के प्रति समर्पण को देखते हुए सनातन धर्म परिषद् न्यास ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।

आर्मी अफसर बनना मेरा सपना :समर्थ तंबोली

कवर्धा, 3 नवंबर। सुबह-सुबह समर्थ तंबोली से तरुण छत्तीसगढ़ ने समर्थ तंबोली से सवाल किया की आप बड़े होकर क्या बनोगे । समर्थ तंबोली ने कहा की बड़ा होकर आर्मी अफसर बनूंगा और देश की सेवा करना चाहता हूं ।

रजत जयंती वर्ष पर प्रधानमंत्री ने दी नई खुशियों की सौगात

मोहला 3 नवंबर । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आज नवा रायपुर में आयोजित भव्य राज्योत्सव समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत प्रदेश के लाखों हितग्राहियों को नई सौगात दी।

महाराष्ट्र के ठग गिरोह को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुर्ग,3 नवंबर। दुर्ग के एक ड्राइवर को 11 लाख रुपए को 11 करोड़ बनाने का झांसा देकर 1 लाख रुपए लेकर रातोंरात भागने वाले महाराष्ट्र गैंग को दुर्ग पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है चौंकाने वाला खुलासा यह है कि गिरफ्तार गैंग की सरगना महिला महाराष्ट्र में 6 महीने पूर्व डकैती मामले में जेल जा चुकी है। वहीं महाराष्ट्र के डकैती मामले में एक फरार चल रहा था वह भी दबोचा गया है ठगी प्रकरण मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर ने बताया कि रामकुमार जायसवाल ने पुलगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी कि मंदा पासवान तथा उसके साथी पूजा के नाम पर एक लाख रुपए की धोखाधड़ी कर फरार हो गए हैं उसने पुलिस को बताया कि प्रार्थी ड्राइवरी का काम करता है बहुत दिनों से वह पैसे की तंगी से परेशान था इसका जिक्र उसने अपने परिचित राजू निवासी जामगांव से किया राजू ने प्रार्थी को महाराष्ट्र का छोटू का मोबाइल नंबर दिया और बताया कि ये लोग पूजा कर पैसा सौ गुना करते हैं तो इनसे संपर्क कर लेना तब प्राथी ने अपने मोबाइल से छोटू के मोबाइल नंबर में फोन कर संपर्क किया छोटू ने एक महिला का मोबाइल नंबर देकर संपर्क करने कहा और उसका नाम मंदा पासवान बताया तब प्रार्थी ने महिला से संपर्क किया महिला ने अपना नाम मंदा पासवान तथा यवतमाल महाराष्ट्र की रहने वाली बताया

महिला ने झांसा दिया कि वे बहुत लोगों का पैसा पूजा कर सौ गुना कर चुकी है आपका भी पैसा सौ गुना करके दे देंगे मंदा पासवान से 11 लाख रुपए का 11 करोड़ करने की बात तय हुई एक नवम्बर को प्रार्थी को आरोपी मंदा पासवान ने फोनकर बताया कि वह दुर्ग बस स्टैंड के पास आ गई है प्रार्थी ने बस स्टैंड जाकर मिलने पर महिला सफेद अर्टिका कार में थी और उसके साथ दो और आदमी बैठे थे पूजा का सिंदूर 5 डिब्बी लाने कहा, जैसे ही प्रार्थी गया ठग हो गया चंपत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) ने बताया कि प्रार्थी ने मंदा पासवान को बस स्टैंड से लेकर अपने मालिक के घर से एक लाख लेकर पूजा करने के नाम पर मालिक के खाली पड़े ट्रेनिंग सेंटर में गया आरोपी के मांगने पर प्रार्थी ने पूजा करने के लिए दो मटका, चावल, आटा, नींबू तथा अन्य सामान व एक लाख रुपये पूजा करने के लिए दिया जहां आरोपी ने लगभग रात्रि 8 बजे पूजा करना चालू किया तथा प्रार्थी से पूजा का सिंदूर की पांच डिब्बी लाने के लिए कहा तब प्रार्थी पूजा के सिंदूर की डिब्बी लेने गया और लेकर जब वापस आया तो देखा कि महिला मंदा पासवान वहां नहीं है। प्रार्थी ने आसपास ढूंढा नहीं मिलने पर थाना में रिपोर्ट दर्ज करायी। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलगांव थाने में धारा 318 (4), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया कार के नंबर से पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरोह को दबोचा पुलगांव प्रभारी अमित अंदानी ने बताया कि प्रार्थी की रिपोर्ट के बाद मामले की गंभीरता से लिया गया और टीम ने आरोपियों की तलाशकर महाराष्ट्र पहुंचकर मंदा पासवान उर्फ मंदा ठमके उर्फ मंदा वाघमारे, 42 साल) निवासी जिला यवतमाल महाराष्ट्र, अमरदीप प्रहलाद दामोदर (34 साल) निवासी श्री राम कॉलोनी चिखली महाराष्ट्र व संजय विलास जमुना (28 साल) निवासी मारेगांव यवतमाल महाराष्ट्र को घेराबंदी कर पकड़ा आरोपियों से 7 नग मोवाइल, वाहन अर्टिगा कार व एक लाख रुपए जब्त कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

एक नजर

25 वर्षों में हर गांव तक पहुंची बिजली की रोशनी

रायपुर, 3 नवंबर। बस्तर की पावन धरा अब सिर्फ जंगलों और आदिवासी संस्कृति की गवाह नहीं रह गई, बल्कि बिजली की रोशनी हर गांवों में पहुंची है। पिछले पच्चीस वर्षों में जगदलपुर ग्रामीण संभाग ने विद्युतीकरण के क्षेत्र में जो छलांग लगाई है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है। वर्ष 2000 में जहां एक गांव तक बिजली पहुंचाना चुनौती थी, वहीं 2025 में हर मजरा-टोला, हर घर रोशनी से जगमगा रहा है। अब बस्तर जिले में विद्युतीकरण का स्तर सौ फीसदी हो चुका है। आदिवासी बहुल इस इलाके के लिए यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। गांव-गांव में फैले विद्युत सुविधा ने जनजीवन को आसान किया। खेती-बाड़ी के लिए सिंचाई में भी किसानों को बड़ी सहूलियत हो रही है। कार्यपालन अभियंता जगदलपुर ग्रामीण संभाग श्री पीके अग्रवानी ने बताया कि जगदलपुर ग्रामीण संभाग के 577 गांव और शहर क्षेत्र का एक गांव मिलाकर कुल 578 गांव अब पूरी तरह बिजली से जुड़ चुके हैं। मजरा-टोलों की संख्या जहां बस्तर में राज्य निर्माण के समय 3989 थी अब बढ़कर 5107 हो गई है, और इनमें से हर एक तक विद्युत की लाइनें पहुंच चुकी हैं। यह बदलाव सिर्फ तारों और खंभों की कहानी नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे की लंबी कल्याणकारी क्रांति का परिणाम है। 33/11 केवी सब स्टेशनों की संख्या महज छह से बढ़कर 27 हो गई, जिनकी क्षमता 24 मेगावोल्ट एम्पीयर से छलांग लगाकर 138.70 मेगावोल्ट एम्पीयर तक जा पहुंच चुकी है। वहीं 11 केवी लाइनों का जाल 1390 किलोमीटर से बढ़कर 4850 किलोमीटर तक विस्तृत हो चुका है, जबकि कम वोल्टेज की लाइनें 2257 किलोमीटर से बढ़कर 6017 किलोमीटर तक पहुंच गई हैं। इस सफर में चुनौतियां भी कम नहीं रहीं। इस दौरान झारा घाटी में माओवादियों ने बिजली के टावर को गिरा दिया था, जिसके कारण 20 दिनों से अधिक समय तक आधे से अधिक बस्तर संभाग में बिजली गुल की भयावह समस्या उत्पन्न हुई थी।

लोगों ने जनसम्पर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी को सराहा

रायपुर, 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर नवा रायपुर अटल नगर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर में आयोजित 5 दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम में जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी दूसरे दिन लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रदर्शनी में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं, विकास कार्यों, सामाजिक उत्थान, महिला सशक्तिकरण तथा डिजिटल प्रगति को छायाचित्रों और आंकड़ों के साथ रोचक रूप में प्रदर्शित किया गया है। एलईडी स्क्रीन पर लगातार प्रसारित हो रही सॉफ्ट स्टोरी के माध्यम से लोग योजनाओं को सहज और सरल तरीके से समझ रहे हैं। नयापारा राजिम से आई मां दुर्गा स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसे बेहद उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। समूह की अध्यक्ष श्रीमती नेहा साहू ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। साथ ही उनके बच्चे को आंगनवाड़ी केंद्र से पूरक पोषण आहार मिल रहा है।

निधन
कमला देवी चंदेल

डोंगरगढ़। डोंगरगढ़ के वरिष्ठ प्रसिद्ध समाज सेवी व रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर स्व नेपाल सिंह चंदेल की धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी चंदेल का 92 वर्ष की उम्र मे निधन आज भिलाई में हो गया वे काफी दिनों से अस्वस्थ चल रही थी। श्रीमती कमलादेवी चंदेल भाजपा मंडल के पूर्व महामंत्री राजनारायण चंदेल की माता थी। स्व कमला देवी चंदेल अपने पीछे माधव सिंह चंदेल, देवकुमार चंदेल, विरेन्द्र कुमार चंदेल सहित भरापुरा परिवार छोड़कर देवलोक चली गई। उनका अंतिम संस्कार 03 नवंबर सोमवार को 11 बजे छिरपानी मुक्तिधाम में किया जाएगा। उनके निधन पर राजपुत समाज, विश्व जागृति मिशन सहित अन्य समाजिक संगठनों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

राज्योत्सव में बॉलीवुड के पार्श्व गायक आदित्य नारायण सहित छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने बिखेरे रंग

रायपुर, 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित भव्य राज्योत्सव में आज बॉलीवुड के गीत-संगीत के साथ छत्तीसगढ़ की लोककला, संगीत और नृत्य की ऐसी रंगीन छटा बिखरी कि शाम सुरमई हो गई। सतरंगी छटा में गीतों की यूँ महफ़िल सजी की हर कोई गाते गुनगुनाते, थिरकते नजर आए। शाम ढलने के साथ गीत-संगीत के बढ़ते कारवाँ में सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी सुर-ताल से दर्शक-श्रोता झूम उठे। प्रख्यात छत्तीसगढ़ी गायक श्री सुनील तिवारी ने अपनी टीम के साथ लोकगीतों के स्वर से परंपरा और आधुनिकता के संगम से सजी इस सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों के दिलों में गहरा प्रभाव छोड़ा। वहीं गीत-संगीत की सजी महफ़िल में बॉलीवुड के महशूर पार्श्व गायक आदित्य नारायण ने गीतों से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रख्यात लोकगायक सुनील

तिवारी की प्रस्तुति से हुआ। राज्य अलंकरण चक्रधर कला सम्मान (2021) से सम्मानित तिवारी ने अपने लोकगायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने जब ÷मोर भाखा के संग दया मया के सुघ्घर हवे मिलाप रे और अइसन छत्तीसगढ़िया भाखा कौनो संग गुनगुनाया, तो पूरा दर्शकदीर्घा तालियों की गूंज से भर उठा। लोकगीतों की लड़ी में राऊत, राजगीत, ददरिया, सोहर, विवाह, पंथी और होली जैसे गीतों के साथ उन्होंने छत्तीसगढ़ की मिट्टी की खुशबू बिखेर दी।

उनके गीत÷पता ले जा रे गाड़ी वाला..., अरपा पैरी के धार...और मोर संग चलव रे... ने दर्शकों को लोकसंगीत की उस दुनिया में पहुंचा दिया जहां परंपरा, भावना और माटी एकाकार हो जाते हैं। सामूहिक कर्मा नृत्य के माध्यम से गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने वाले श्री तिवारी ने अपनी प्रस्तुति से लोकगायन की गरिमा को नए शिखर पर पहुंचाया।

चिन्हारी – द गर्ल बैंड ने बढ़ाई चमक: इसके बाद मंच पर आई जयश्री नायर और मेघा ताम्रकार की 'चिन्हारी - द गर्ल बैंड' ने अपने ऊर्जावान प्रदर्शन से राज्योत्सव में नई ताजगी भर दी। उनकी गायकी में जहां लोकधुनों की आत्मा थी, वहीं संगीत संयोजन में आधुनिकता की झलक। बैंड की प्रस्तुति ने यह संदेश दिया कि परंपरा और नवाचार का संगम ही आज की नई पहचान है। दर्शकों ने तालियों और उत्साह से उनका स्वागत किया।

सांस्कृतिक संध्या में बॉलीवुड के नामचीन गायक आदित्य नारायण ने सबके जुबां में रची बसी फेमस गीत- पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा.., पहला नशा.. पहला खुमार.., बिन तेरे सनम.., जो तुम न हो..,अपना बना लो पिया, केशरिया इश्क है तेरा, वादा रहा सनम..., ये काली-काली आँखे.., कोई मिल गया, मेरा दिल गया..., जाने जा.., मैं निकला गड्डी लेके..की प्रस्तुति से माहौल को उल्लासमय बना दिया और खूब तालियां बटोरी।

उनकी संवाद शैली, हाव-भाव और जीवंत अभिनय ने संगीत की गहराई को दर्शकों के सामने साकार कर दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में पद्मश्री डोमार सिंह कंवर की नाचा प्रस्तुति ने राज्योत्सव में ऊर्जा और उल्लास का वातावरण बना दिया। उनकी नाट्य शैली और छत्तीसगढ़ी हाव-भाव से सजी प्रस्तुति ने दर्शकों को लोककला की गहराई से जोड़ दिया। नाचा की पारंपरिक झलक और लोक संस्कृति की जीवंतता ने राज्योत्सव के मंच को अविस्मरणीय बना दिया।

राज्योत्सव की यह संध्या छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, संगीत और कलात्मक वैभव के साथ बॉलीवुड गीतों के आनंदमय प्रस्तुति राज्य के गौरवपूर्ण उत्सव बन गई। उपस्थित दर्शकों ने हर प्रस्तुति पर तालियों से अपनी प्रसन्नता जताई। यह सांस्कृतिक संध्या न केवल एक कार्यक्रम रही, बल्कि छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की सांस्कृतिक यात्रा का सजीव दस्तावेज बन गई, जहां हर गीत, हर नृत्य, और हर ताल में राज्य की समृद्ध कला और संस्कृति देखने को मिली।

जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ पं.चक्रपाणि शुक्ल स्कूल मैदान में हुआ

राज्योत्सव में बालविवाह मुक्त,टीबीमुक्त पंचायतें सम्मानित

बलौदाबाजार, 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय राज्योत्सव का रंगारंग शुभारम्भ रविवार को पंडित चक्रपाणी शुक्ल शासकीय हाई स्कूल मैदान में हुआ। समारोह के अध्यक्ष राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, अति विशिष्ट अतिथि जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित विशिष्ट अतिथियों के द्वारा भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर राज्योत्सव का विधिवत शुभारम्भ किया गया। राज्योत्सव में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त 225 एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मुक्त 60 पंचायत के सरपंच सचिव को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा 86 बुजुर्गो व दिव्यांगों को ट्राईसिकल वितरण, हम होंगे कामयाब अंतर्गत 72 युवाओं को प्रशस्ति पत्र, आदिवासी विकास विभाग द्वारा 4343छात्रों को 2 करोड़ से अधिक राशि का छात्रावृत्ति वितरण, स्वामितत्त्व योजना अंतर्गत 18200 किसानों को स्वामित्व कार्ड का वितरण किया गया।

अति विशिष्ट अतिथि प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने राज्य स्थापना दिवस की 25

वीं वर्षगांठ एवं रजत जयंती की शुभकामनायें देते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हैं।पूरे विश्व में निवेश का केन्द्र बन रहा है। अब प्रदेश में सड़कों का जाल बिछ गया हैं ,शिक्षा स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है। छत्तीसगढ़ शीघ्र नक्सलमुक्त होगा। आयुष्मान, टीबी स्क्रीनिंग में प्रदेश का पहला स्थान हैंआज किसान के बेटा भी अच्छे स्कूलों में पढ़ रहा हैं। स्वामित्व योजना में 28 हजार स्वामित्व कार्ड बन चुका है। महतारी वंदन से महिला सशक्तिकरण को बल मिला है। बलौदाबाजार जिले को अग्रणी जिला बनाने सभी संकल्प लें और छत्तीसगढ़ को देश का विकसित राज्य बनाने में योगदान दें। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि जिले में तीन दिवसीय राज्योत्सव का शुभारम्भ हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी ने जिस छतीसगढ़ का निर्माण किया आज छतीसगढ़ का रजत जयंती मना रहे हैं। हमारी सा सरकार के विकास कार्यो से आज छतीसगढ़ में खुशहाली व समृद्धि दिखाई दें रहा हैं।

कार्यक्रम को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने भी सम्बोधित किया। कलेक्टर दीपक सोनी ने स्वागत प्रतिवेदन में जिला स्तरीय राज्योत्स्व एवं जिले की प्रगति का उल्लेख करते हुए जिले के विकास के लिये जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन- अतिथियों ने विभागीय उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सामग्री एवं प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। विभागीय प्रदर्शनी पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व विभाग, समाज कलयाण, महिला एवं बाल विकास, उद्योग, कृषि, उद्यानिकी, मछली पालन, पशु पालन, स्वास्थ्य सहित करीब 20 विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी लगाए गए हैं। सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों की मोहक प्रस्तुति - राज्योत्सव के शुभारम्भ अवसर पर सांस्कृतिक संध्या में ख्यातिलब्ध कलाकारों के मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों मन्त्रमुग्ध किया। रंग सरोवर के भूपेन्द्र साहू एवं साथी द्वारा छत्तीसगढ़ की पुरातन व पारंपरिक शैलियों की झलकियां प्रस्तुत किया गया। इसीतरह श्री राधारानी पण्डवानी पार्टी डमरू, बलौदाबाजार के श्री फिरतराम साहू एवं साथी, सुर ओ चंदम आर्टिस्ट बैंड ग्रुप बलौदाबाजार द्वारा लाइव म्युजिक कॉन्सर्ट तथा बिलासपुर की किरण मोइत्रा एवं साथी द्वारा कठपुतली एवं नाट्य कला मंच की प्रस्तुति दी गई।

समाचार संक्षेप

जिला स्तरीय राज्योत्सव में कठपुतलियाँ बनी आकर्षण का केंद्र

बलौदाबाज़ार -भाटापारा 3 नवंबर। जिला स्तरीय राज्योत्सव में विशाल कठपुतलियों ने आम नागरिकों का दिल जीत लिया है। शासकीय पंडित चक्रपाणि हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रसिद्ध अभिनेता अमिताभ बच्चन,राजा और रानी के रूप में आई विशाल कठपुतलियों से सेल्फी लेने की होड़ लगी हुई है । बच्चे,नौजवान ,महिलायें और बुजुर्ग सभी इन कठपुतलियों के तस्वीरें लेते नज़र आए। कठपुतली एवं नाट्य कला मंच बिलासपुर की निदेशक श्रीमती किरण मोइत्रा ने बताया कि रजत महोत्सव के अनुकूल उन कठपुतलियों को सजाया संवारा गया है। बच्चों में अमिताभ बच्चन का रूप लिए कठपुतली के साथ बच्चों ने खूब तस्वीरें ली।

एनीकट में सुरक्षा व्यवस्था जरूरी:सुनील

सिमगा 3 नवंबर। जिला प्रशासन यदि एनीकेट में सुरक्षा की

व्यवस्था करे तो प्रत्येक वर्ष बहुत से जान को बचाया जा सकता है। उक्त कथन पानी में डूबकर दो सगे भाइयों के हुई मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुनील माहेश्वरी ने की। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन से अतिरिक्त मुआवजा की घोषणा करने की भी मांग रखी। यह ज्ञात हो कि विगत दिनों सिमगा ब्लॉक के ग्राम चंदिया पथरा में स्थित शिवनाथ नदी एनीकेट में करहुल ग्राम के तीन युवा के पानी में डूब कर मरने से पूरा क्षेत्र में शोक है। जिसमें मृतक दुलेश साहू एवं मुकेश साहू सगे भाई है। तथा मृतक भावेश साहू उनका मित्र था।

मृतक के परिजनों एवं ग्राम के जनप्रतिनिधियों से मिलने के बाद श्री माहेश्वरी ने कहा कि सोमनाथ से गुड़ाघाट तक शिवनाथ नदी में लगभग 12 से अधिक एनीकेट है। जिसके पुल ऊपर के हिस्से में काई जमा हो जाता है, और पानी के बहाव में आदमी एनीकेट में गिरकर 30 फीट दूर बने दिवाल से टकराकर घायल स्थिति में पानी के अंदर ही फंस जाता है। और उसकी मृत्यु हो जाती है, ऐसी दर्जनों दर्दनाक घटना इन एनीकेटो में पिछले तीन-चार साल में हो चुकी है। श्री माहेश्वरी ने कहा कि किसी भी एनीकेट में खतरा संकेत वाला कोई बोर्ड नहीं लगा है और ना ही कहीं पर तार घेरा है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि नदी के किनारे गांव में जागरूकता अभियान चलाया जाए, डी एम एफ या अन्य किसी फंड से सुरक्षा की व्यवस्था की जाए।साथ ही प्रत्येक एनीकेट में सुबह से लेकर शाम तक एक सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था किया जाए। जो खतरा वाले क्षेत्र में लोगों को से रोक सके।

श्री माहेश्वरी ने आगे बताया कि लगभग 10 उद्योगों मे इन एनीकेटो के माध्यम से शिवनाथ नदी का पानी को पाइप लाइन के माध्यम से ले जाया जा रहा है या उनका अनुबंध हो चुका है। जिला प्रशासन चाहे तो उनके माध्यम से भी सुरक्षा की व्यवस्था करवा सकती है। और भविष्य के किसी भी प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति को रोका जा सकता है। अंत में श्री माहेश्वरी ने मृतकों से शासन से अतिरिक्त मुआवजा की मांग करी। साथ ही जिला कलेक्टर से अपील किया है कि पानी में डूब कर मृत्यु होने पर जो मुआवजा दिया जाता है उसका प्रकरण संबंधित परिवार के पास प्रशासन का मैदानी अमल स्वतः पहुंचकर बनाएं। जिससे मृतक के परिजन को किसी कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। श्री माहेश्वरी के साथ प्रमुख रूप से क्षेत्र के जनपद सदस्य विष्णु कोसले , कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष हीरा साहू आदि उपस्थित थे।

सतनामी समाज सम्मेलन में किया गया

पदाधिकारियों का चयन

तिल्दा-नेवरा/खरोरा 3 नवंबर। सतनाम समाज के वरिष्ठ वेदराम मनहरे के नेतृत्व में आज खरोरा में 65 गाँवों के सतनामी समाज का भव्य सम्मेलन एवं पदाधिकारियों का चयन समारोह अत्यंत हर्ष और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु गद्दी की पूजा-अर्चना के साथ हुई, जहाँ श्रद्धा, भक्ति और एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। परम् पूज्य संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा जी की महिमा और उनके आदर्शों के प्रति नमन करते हुए सभी उपस्थित जनों ने समाज उत्थान, शिक्षा, समानता और एकता के संकल्प को पुनः दोहराया। इस ऐतिहासिक आयोजन में समाज के सभी वरिष्ठ जन, युवा साथी, मातृशक्ति और नवनिर्वाचित पदाधिकारीगणों ने एकजुट होकर सतनामी समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी।

शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार की दृष्टि से मूल्यांकन प्रणाली में आंशिक परिवर्तन किया जाना प्रस्तावित

बालोद, 3 नवंबर। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार की दृष्टि से मूल्यांकन प्रणाली में आंशिक परिवर्तन किया जाना प्रस्तावित किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कक्षा पहली, दूसरी, तीसरी, चैंथी, छटवीं एवं सातवीं की वार्षिक परीक्षा में त्रैमासिक परीक्षा में प्रत्येक विषय में प्राप्त अंकों का 20 प्रतिशत, छःमाही परीक्षा में प्रत्येक विषय में प्राप्त अंकों का 20 प्रतिशत अधिभार के रूप में जोड़ा जाएगा अर्थात् त्रैमासिक का 20 प्रतिशत, छःमाही का 20 प्रतिशत एवं वार्षिक का 60 प्रतिशत मिलाकर परीक्षाफल तैयार किए जाएंगे। इसी तरह कक्षा 5वीं एवं 8वीं में वार्षिक परीक्षा में छःमाही परीक्षा में प्रत्येक विषय में प्राप्त अंकों का 30 प्रतिशत अधिभार के रूप में जोड़ा जाएगा अर्थात् छःमाही का 30 प्रतिशत एवं वार्षिक का 70 प्रतिशत मिलाकर परीक्षाफल तैयार किये जाएंगे। इसी तरह कक्षा 9वीं एवं 11वीं के लिए भी छःमाही परीक्षा में प्रत्येक विषय में प्राप्त अंकों 30 प्रतिशत अधिभार के रूप में जोड़ा जायेगा अर्थात छःमाही का 30 प्रतिशत, एवं वार्षिक का 70 प्रतिशत मिलाकर परीक्षाफल तैयार किये जाएंगे। इस संबंध में निर्णय हेतु छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर को पृथक से प्रस्ताव शासन द्वारा प्रेषित किया जा रहा है।

धान बेचने वाले किसानों के लिए डिजिटल क्राप सर्वे और गिरदावरी के सत्यापन की समय सीमा बढ़ी

डोंगरगढ़ 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है ।छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सभी जिलों के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी के मोबाइल पी वी एप के माध्यम से सत्यापन की समय सीमा को एक माह के लिए बढ़ा दिया है ।भारतीय जनता पार्टी सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शशिकांत द्विवेदी ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ किए जाने का निर्णय लिया गया है।किंतु किसानों के धान खरीदी के लिए किए जाने वाले डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी सत्यापन की तारीख 31 अक्टूबर तक ही थी जिससे बहुत से किसानों की परेशानी बढ़ गई थी क्योंकि कई किसानों के राजस्व आंकड़े अपडेट नहीं होने के कारण रकबा शून्य दिखाई दे रहा था, जिसके कारण किसानों को धान बेचने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। इसे संज्ञान में लेते हुए श्री द्विवेदी ने इस समस्या का समाधान करने के लिए शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया । इसे तत्काल संज्ञान में लेते हुए किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं गिरदावली के मोबाइल पी वी एप सत्यापन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है ।अब यह प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2025 के स्थान पर 30 नवंबर 2025 तक जारी रहेगी। प्रदेश संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ शशिकांत द्विवेदी ने कहा कि इस अवधि में संबंधित अधिकारी पी वी एप के जरिए भौतिक सत्यापन उपरांत डेटा संशोधन कर सकेंगे। श्री द्विवेदी ने सरकार के इस निर्णय को किसानों के हित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है । निश्चित रूप से इस निर्णय से किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है ,अब कृषकगण अपने समस्त बोए गए धान के रकबे का सत्यापन कराकर धान उपार्जन केंद्रों में बेंच सकेंगे।श्री द्विवेदी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को डिजिटल प्रणाली के माध्यम से और अधिक पारदर्शिता तथा सुविधा प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। निश्चित रूप से अब किसानों को अपने रकबे के धान बेचने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं उठाना पड़ेगा।

प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्कूली छात्राओं को वितरित की साइकिल

बलौदाबाजार, 3 नवंबर। जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज जिला प्रवास के दौरान विकासखण्ड कसडोल के शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय हसुआ में सायकिल वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सरस्वती सायकिल योजना अंतर्गत 92 छात्राओं को साईकिल वितरण किया। प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाला हसुवा में साइकिल स्टैंड निर्माण हेतु 10 लाख, बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 4 लाख, पेवर ब्लॉक हेतु 10लाख,जर्जर स्कूल भवन का जीर्णोद्धार हेतु 10

लाख रुपये, ग्राम पंचायत बलौदा में पंचायत भवन निर्माण हेतु 19 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके साथ ही टूण्ड्रा में खाद गोदाम निर्माण हेतु शासन के प्रावधान अनुसार प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। प्रभारी मंत्री ने कहा की हमारी सरकार ने प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिये प्रतबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित तमाम विकास कार्यों में तेज प्रगति आई हैं और यह निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम को जांजगीर चाम्पा सांसद कमलेश जांगड़े, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, पूर्व विधायक डॉ सनम जांगड़े सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी -कर्मचारी उपस्थित थे।

वन्यजीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी

बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य 1 नवम्बर से पर्यटकों के लिए पुनः खुला

- वर्षा ऋतु खत्म होने के बाद देखते ही बन रही है अभयारण्य की सुंदरता

बलौदाबाज़ार-भाटापारा 3 नवंबर। बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य, रायपुर से लगभग दो घंटे की दूरी पर स्थित, छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख वन्यजीव गंतव्य है जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह अभ्यारण्य 1 नवम्बर 2025 से पर्यटकों के लिए पुनः खुल गया है। वर्ष ऋतु में यहाँ पर्यटकों की आवाजाही पर रोक लगाई गई थी।बारिश खत्म होने के बाद अभयारण्य की सुंदरता में चार चाँद लग गए हैं। इस बार अभ्यारण्य में

पर्यटकों की सुविधा के लिए तीन प्रवेश द्वार - पकरीद, बरबसपुर और रवान निर्धारित किए गए हैं, जिनसे सफारी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जंगल सफारी के दौरान पर्यटक यहां की समृद्ध वन संपदा और विविध जीव-जंतुओं को नज़दीक से देखने का रोमांच अनुभव कर सकेंगे।

मुख्य आकर्षणों में तेंदुआ, भालू, गौर, कृष्णमृग सहित कई अन्य स्तनधारी प्रजातियां तथा 200 से अधिक पक्षी प्रजातियां शामिल हैं, जो इस क्षेत्र की पारिस्थितिक समृद्धि को दर्शाती हैं। इस वर्ष विशेष रूप से तैयार किया गया ÷लेपर्ड सफारी जोन÷ पर्यटकों के लिए एक नया और रोमांचक अनुभव प्रदान करेगा। बारनवापारा केवल वन्यजीव प्रेमियों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रकृति और शांति के चाहने वालों के लिए भी एक आदर्श स्थल है। यहाँ की वादियों में फैली हरियाली, पक्षियों की चहचहाहट और सघन वनों की प्राकृतिक सुंदरता एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करती है। पर्यटकों के लिए अभ्यारण्य परिसर एवं आसपास स्थित इको-टूरिज्म रेसॉर्ट्स एवं विश्राम गृहों में रहने की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई है, जहाँ वे प्रकृति की गोद में सुकून भरे पल बिता सकते हैं।

इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार श्री धम्मशील गणवीर ने कहा कि - बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यह प्रकृति से जुड़ने और संरक्षण की भावना को जागृत करने का माध्यम है। हम सभी प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का स्वागत करते हैं कि वे इस सत्र में बारनवापारा आएं और इसकी अद्भुत जैव-विविधता का अनुभव करें। वन विभाग द्वारा पर्यटकों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित सुरक्षा एवं संरक्षण नियमों का पालन करें, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जा सके।

महिला वन डे विश्वकप भी अब हमारा है

संपादकीय

जब भी कहीं महिला वनडे विश्वकप की बात होती थी तो देश के लोगों को लगता था कि क्रिकेट का यही कप हमारे पास नहीं है। देश के लोगों को इस कप की कमी का एहसास होता है।जब भी महिला वनडे विश्वकप होता था तो देश के लोगों को लगता था कि इस बार तो हमारे देश की बेटियां जरूर विश्वकप जीतकर लाएंगी। देश की बेटियां दो बार महिला विश्वकप के फाइनल में पहुंची भी लेकिन एक बार 2005 में आस्ट्रेलिया व दूसरी बार 2017 में इंग्लैंड ने उनको हरा दिया और देश के लोगों का दो बार विश्वकप जीतने का सपना सपना ही रह गया था।50 साल से देश के लोग इंतजार कर रहे थे कि देश की बेटियां विश्वकप कब जीतकर देश लाएंगी। बहुत लंबा इंतजार किया है देश के लोगों ने। इसलिए इस बार जब भारत की बेटियों ने विश्वकप जीता तो लोगों को सबसे ज्यादा खुशी भी इस बात की हुई है कि आखिर देश की बेटियों ने उनका यह सपना भी फाइनल में द.अफ्रीका का हराकर पूरा कर दिया है। इस बार का विश्वकप का आयोजन भारत व श्रीलंका ने मिलकर किया था। कप का आयोजन एशिया में किया जा रहा था इसलिए उम्मीद की जा रही थी कि इस बार विश्वकप की विजेता पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश व भारत में से कोई एक होगा। एक समय तो ऐसा लग रहा था कि एशिया से चारों देशों में कोई भी सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंचेगा। लेकिन एशिया के लोगों का तब बहुत अच्छा लगा जब विश्वकप के एक मजबूत दावेदार न्यूजीलैंड को हराकर भारत विश्व कप महिला के सेमीफाइनल में पहुंच गया। जब भारत सेमीफाइनल में पहुंचा तो उसका मुकाबला आस्ट्रेलिया से हुआ और ज्यादातर लोगों को लगा कि भारत इस बार फाइनल नहीं पहुंच पाएगा लेकिन इस बार वक्त भारत की बेटियों का था, उन्होंने आस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई और फाइनल में उनका मुकाबला द.अफ्रीका से हुआ। दोनों तीसरी बार विश्वकप के फाइनल में पहुंचे थे,दोनों दो बार फाइनल में हार भी चुके थे और दोनों के लिए तीसरे फाइनल में पहली बार विश्वकप जीतने का सुनहरा मौका था।

जहां तक प्रदर्शन को देखा जाए तो भारत की तुलना में द.अफ्रीका का प्रदर्शन ज्यादा अच्छा कहा जा सकता था लेकिन फाइनल में पिछले प्रदर्शन का कोई महत्व नहीं रहता है क्योंकि यह ऐसा मौका होता है जिसमें जो ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करता है जीत उसकी होती है। द.अफ्रीका ने टास जीतकर भारत को बैटिंग का मौका दिया तो भारत को बैंटिंग में शानदार प्रदर्शन करके दिखाना था। भारत की ओपनर खिलाड़ी शेफाली वर्मा व स्मृति मंधाना ने सौ रन की तेज साझेदारी कर मजबूत नींव रखी, इस आधार पर उम्मीद की गई भारत अब आसानी से तीन सौ से ज्यादा रन बना लेगा। भारत के मध्य क्रम के लड़ख़ड़ाने के बाद भी भारत ने दीप्ति,ऋचा के आखिरी में तेज रन बनाने से 298 रन बना सका। इसके बाद भारत के सामने बालिंग में भी अच्छा प्रदर्शन करने की चुनौती थी, भारत ने पचास रन पर द.अफ्रीका को पहला झटका दिया। इसके बाद भारतीय बालर नियमित रूप से विकेट लेते रहे। द. अफ्रीका के एक छोर को कप्तान कोल्वार्ड ने संभाले रखा लेकिन भारत बालरों ने दूसरे छोर पर बल्लेबाजों को जमने नहीं दिया।एक छोर से द.अफ्रीका के बल्लेबाज आउट होते गए। पांच विकेट गिरते तक द.अफ्रीका मैच मजबूत लग रहा था, कप्तान के आउट होने के बाद कोई भी ठीक से खेल नहीं सका और पांच विकेट जल्द गिर गए और भारत 52 साल बाद 52 रन से विश्वकप जीत गया। इसमें दो खिलाडिय़ों शेफाली व दीप्ति ने बैंटिग के साथ बालिंग में भी शानदार प्रदर्शन किया इसके लिए उनको मैन आफ दे मैच व मैन आफ दी सीरीज चुना गया। महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनजीत कौर विश्वकप जीतने के बाद कपिल देव, धोनी व रोहित शर्मा जैसे महान खिलाडिय़ों की कतार में शामिल हो गई है। विश्व कप जीतना हर टीम के कप्तान का सपना होता है, बहुत कम कप्तान होते हैं जिनका यह सपना पूरा होता है। इसमें वक्त लगता है, जब विश्वकप जीतने वाली टीम बनती है तो ही यह सपना भी पूरा होता है। हरमन की टीम विश्वकप जीतने लायक टीम थी इसलिए वह विश्वकप जीत सकी है। पूरे विश्वकप में देखा जाए तो हमारे खिलाडिय़ों का प्रदर्शन विश्व के खिलाडिय़ों से कम नहीं है। कपिल देव ने विश्वकप जीता तो उसका असर जिस तरह देश में पुरुष क्रिकेट पर हुआ था उसी तरह महिला विश्वकप जीतने का असर पूरे देश की महिला क्रिकेट पर होगा।

चुनाव आयोग, SIR , सरकार और विपक्ष,

राजनीति

मनोज दुबे

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में लगभग प्रतिवर्ष किसी न किसी राज्य के विधानसभा के चुनाव होते रहे हैं लोकसभा के चुनाव भी अपने निर्धारित समयावधि व विशेष परिस्थितियों में मध्यावधि चुनाव भी समय समय पर में होते रहे हैं.

राजनीति से परे यह बात स्पष्ट एवं सर्व स्वीकार्य है कि देश में स्वस्थ लोकतंत्र की स्थापना के लिए निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव का होना अत्यंत आवश्यक है निःसंदेह स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के अभाव में हम एक शुद्ध एवं स्वस्थ लोकतांत्रिक राष्ट्र की कल्पना नहीं कर सकते हैं. और इस कार्य के लिए हमारे देश के संविधान निर्माताओं ने संविधान में "निर्वाचन आयोग" नामक एक संवैधानिक संस्था की स्थापना की है ...जिसका संविधान में अनुच्छेद 324 से 329 तक चुनाव की समस्त जिम्मेदारी एवं चुनाव की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है और अपने स्थापना वर्ष 1950 के बाद से ही देश का पहला आम चुनाव 1951-52 से अपने संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन करता आया है । चुनाव आयोग चाहे किसी भी रूप में रहा हो चाहे प्रारंभिक रूप में एक सदस्यीय रहा हो या बाद में बहुत सदस्यीय रहा हो , वह उसी रूप में अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन किया है ....

बहरहाल आयोग का ढांचा जैसा भी रहा है वह उसी स्वरूप में बदलते समय के साथ सदैव आगे बढ़ता रहा है और अपने दायित्वों से लोकसभा , राज्यसभा, राज्य विधानसभा ,राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव का संचालन करता रहा है और देश में एक मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी विश्वसनीयता सदैव स्थापित करता रहा है , और आगे बढ़ता रहा .... अब बात आती है वर्तमान समय में जितनी चर्चा चुनाव आयोग को लेकर होती हो रही है उतनी शायद ही पिछले 5-6 महीने से किसी और विषय पर हुई होगी । हालांकि चुनाव आयोग की स्वायत्तता एवं निष्पक्षता एवं उसकी कार्य पद्धति से जुड़े सवाल उठते रहे हैं, सरकार किसी भी दल की रही हो विपक्ष चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली पर संदेह हमेशा करता रहा है...

देश की सम्प्रुभता कायम होने के बाद से ही सिर्फ चुनाव आयोग ही नहीं बल्कि देश की लगभग सभी संवैधानिक संस्थाओं पर सत्ता पक्ष का प्रभाव होने की बात चलती रही है......

अब इस संदेहास्पद प्रभाव का संदेह या शंका राजनीतिक है, या फिर बनावटी है या फिर कुछ और है....

या फिर विपक्ष कहीं ऐसा तो नहीं कि अपना विपक्ष का धर्म निभाने के लिये विरोध कर रहा हो ..और साथ ही साथ सत्ता पक्ष भी अपना इसमें हित साध रहा हो ....

खैर बात जो भी रही हो चुनाव आयोग पर सवाल सदैव उठते ही रहे हैं... और चुनाव आयोग सदैव से ही राजनीतिक बहस एवं विवाद का भागीदार बनता ही रहा है....

अभी वर्तमान में बिहार चुनाव से ठीक पहले बिहार में ही चुनाव आयोग के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR एस, आई , आर) का यह कार्य शुरू किया गया , सत्ता पक्ष व विपक्ष अपने राजनीतिक काम पर चल पड़े.... राजनीति अपना काम करती रही, राजनीतिक दलों के नेता घूम घूम कर चुनाव आयोग के द्वारा SIR को ढाल बनाकर अपना राजनीतिक एजेंडा सेट करते रहे.....तमाम विरोध एवं समर्थन से बिहार में SIR का काम पूर्ण हुआ .... और आगामी 12 राज्यों में भी "विशेष गहन पुनरीक्षण" कराने की घोषणा चुनाव आयोग के द्वारा कर दी गई ... और आने वाले समय में पूरे देश में वोटर लिस्ट की गड़बड़ियों को ठीक करने का कार्य किया जाएगा......

आयोग के द्वारा वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों को ठीक करना या उसका रिवीजन करना उसका अपना संवैधानिक अधिकार है ..। वोटर लिस्ट से अवैध एवं अयोग्य नाम हटाना एवं योग्य मतलब नए 18 वर्ष से ऊपर के वोटर का नाम वोटर लिस्ट में जोड़ना, वोटरों के नाम शुद्ध करना इत्यादि ये तो चुनाव आयोग का प्रमुख कार्य है ,इस पर किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए.......

चुनाव आयोग के द्वारा "एस आईं आर " का कार्य कोई नया कार्य नहीं है , और ना ही कोई पहला कार्य है चुनाव आयोग के द्वारा ऐसा पहले भी किया जाता रहा है , जबकि एनुअल रिवीजन तो प्रति वर्ष होता ही है और SIR ऐसे विशेष परिस्थितियों में किया जाता है जब वोटर लिस्ट में बड़ी गड़बड़ियां होती है तब इसे ठीक करने के लिए ऐसा किया जाता है............पिछला एस आई आर 2002 से 2004 तक किया गया था । इसके पहले भी कई बार ऐसा किया गया है........... और यह कार्य राजनीतिक दलों के बी एल ए एवं सरकार के बी एल ओ के सहयोग से किया जाता रहा है....

प्रश्न यह उठता है कि चुनाव से ठीक पहले ही निर्वाचन आयोग को SIR करने की आवश्यकता क्यों पड़ी ।आज विपक्ष का सबसे बड़ा आरोप यही है कि बिहार चुनाव से ठीक पहले ऐसा सरकार की सहमति से एवं राजनीतिक षड्यंत्र के तहत अवैध एवं अयोग्य वोटरों की आड़ में अपने राजनीतिक चुनावी एजेंडे को सेट करना है ,। विपक्ष का अपना यह तर्क हो सकता है क्योंकि टाइमिंग का सवाल तो वाजिब है , लेकिन हमारे देश में तो चुनाव हर छः महीने व साल में होते ही रहते हैं, तो फिर आयोग अपना ये कार्य करे तो करे कब..? और आज ही नहीं कई दशकों से यह होता रहा है, अब सत्ता पक्ष एवं विपक्ष का अपने अपने तर्क अपने अपने हित के अनुसार है लेकिन पक्ष ,विपक्ष की राजनीतिक लड़ाई में चुनाव आयोग मोहरा क्यों बने..?

लोकतंत्र को स्थापित करने में अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को पूरा करने का काम तो चुनाव आयोग तो करेगा ही ...जैसा कि अभी हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा है कि एस आई आर करने का या वोटर लिस्ट में संशोधन करने का अधिकार चुनाव आयोग का है ....

विपक्ष का कुछ संदेह के साथ कुछ आपत्तियां हो सकती हैं और यदि ऐसा है की पात्र लोगों का वोटर लिस्ट से नाम हटाया जा रहा है या जैसा कि सभी विपक्ष के लोग कह रहे हैं कि वोटों की चोरी हो रही है , यदि ऐसा है तो बिना देर किए संविधान का संरक्षक सर्वोच्च न्यायालय जाना चाहिए जिससे सारी बातें स्पष्ट हो जायेंगी......... चुनाव आयोग में अपनी आपत्तियां दर्ज करानी चाहिए.......न कि चुनाव आयोग को चैलेंज करना, अपने हितों को पूरा करने के आड़ में राजनीतिक दल देश के संवैधानिक संस्थाओं को मोहरा क्यों बना रहे हैं , देश-विदेश में यदि संवैधानिक संस्थाओं को ऐसे बदनाम किया जाएगा तो लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर होगा ,और जहां तक मैं मानता हूं और ये मेरी व्यक्तिगत सोच भी है कि देश की सभी राजनीतिक पार्टियां आप खूब राजनीतिक दांव-पेंच खेलो लेकिन अपने इस राजनीतिक खेल से देश की संवैधानिक संस्थाओं को अलग रखिए .....अगर ऐसा ही चलता रहा तो संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता व मर्यादा खत्म हो जायेगी....एक बेहतर, स्वस्थ व मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सभी राजनीतिक दलों, संस्थाओं व संगठनों को एक सकारात्मक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना होगा तभी देश व समाज का विकसित स्वरूप साकार हो पायेगा...।

सू- दोकू क्र.217

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.216 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

शब्द सामर्थ्य -217

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे
1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 216 का हल

मा	म	ला		सि	वा	य		कि
लि		चा	ह	त		म	म	ता
क	सू	र		म	ग	न		ब
	र				द			
क	मा	न		पा	र	स		स
मी		म	जा	ल		न	क	ली
ना	दा	न		ना	र	द		का
	मि				ताँ			
सु	नी	ल		अ	धी	र		जी

छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण सहकारिता के लिए वरदान सिद्ध हुआ

राज्य स्थापना

अशोक बजाज

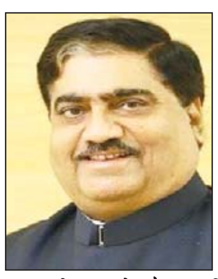

आत्मनिर्भर भारत के लिए सहकारिता सबसे महत्वपूर्ण विधा है। इसके माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग के लोगों का आर्थिक उत्थान होता है। सहकारिता से जुड़ कर लोग सामूहिक प्रयास एवं परस्पर सह योग से अपनी आ र्थि क गतिविधियों का संचालन करते हैं तथा उचित लाभार्जन करते हैं। ग्रामीण भारत के लिए सह कारिता वरदान से कम नहीं है। सह कारिता के माध्यम से ना केवल वित्तीय प्रबन्धन बल्कि उत्पादन, उत्खनन, प्रसंस्करण, परिवहन एवं विपणन के कार्य भली भांति संपादित हो रहे हैं। सहकारी समितियाँ अपने सदस्यों को किफायती एवं प्रमाणित वस्तुयें उपलब्ध कराती है। सहकारी संगठनों एवं संस्थाओं के कार्यों में पूरी तरह पारदर्शिता होती है। सहकारी संस्थायें रोजगार सृजन भी करती है। छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्य में किसानों के उत्थान के लिए सहकारी संस्थाओं की उप योगिता काफी महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के पूर्व यानी सन् 2000 से पूर्व अविभाजित मध्यप्रदेश का यह भू-भाग आर्थिक रूप से पिछड़ा माना जाता था। लगातार अकाल व दुर्भिक्ष के कारण लाखों परिवारों को दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं होती थी । फलस्वरूप हर साल पलायन की स्थिति निर्मित होती थी । छत्तीसगढ़ में सहकारी क्षेत्र भी उस दौर में उपेक्षित था। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटलबिहारी वाजपेयी जी की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिणाम है कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य अस्तित्व में आया। उसके बाद ही कृषि एवं सहकारी क्षेत्र के नए दौर की शुरुवात हुई 1 जबकि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ में सहकारी आंदोलन की स्थिति बहुत ही कमजोर थी । सहकारी संस्थायें एवं सहकारी समितियां बीमारू हालत में थी। अनुसूचित क्षेत्र की अधिकांश सहकारी समितियाँ एन.पी.ए. बढ़ने के कारण कालातीत (डिफाल्टर) हो चुकी थी । उस वक्त सहकारी आदोलन के प्रति लोगों की रूचि कम हो चुकी थी । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के समय कृषि वित्त के क्षेत्र में एक शीर्ष बैंक के अलावा 7 केन्द्रीय बैंक थे जो कि 1333 सहकारी समितियों (पैक्स एवं लैम्प) के माध्यम से वित्त पोषण करते थे । समूचे छतीसगढ़ में सहकारी बैंकों की मात्र 213 शाखायें थी जो बढ़कर अब 345 हो गई है । यह सन् 2003 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद कृषि सहकारिता के उन्नयन के लिए गंभीरता से हुये प्रयास का परिणाम है । इसी प्रकार लगातार सुविधाओं व सेवाओं का विस्तार हुआ जिससे लघु व सीमांत कृषक भी सहकारी संस्थाओं की तरफ आकर्षित हुये । यहाँ पर यह उल्लेख करना लाजिमी होगा की राज्य गठन के प्रथम तीन वर्ष में केन्द्रीय सहकारी बैंक रायगढ़ के डिफाल्टर हो जाने से रिजर्व बैंक ने उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया । फलस्वरूप राज्य में केन्द्रीय सहकारी बैंकों की संख्या 7 से घट कर 6 हो गई । यह सहकारी आंदोलन से जुड़े लोगों के लिए बहुत बड़ा सदमा था । अविभाजित मध्यप्रदेश में सहकारी आन्दोलन को एक बड़ा झटका पहले भी लग चुका था जब दिग्विजय सिंह सरकार ने पी.डी.एस. का काम सहकारी समितियों से छीन कर निजी हाथों में सौंप दिया था, जिससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ गरीबों को सही रूप से नहीं मिल रहा था 1 डॉ रमन सिंह सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुओं के वितरण का काम सहकारी समितियो को पुनः सौंपा । जिससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुरुस्त हुई साथ ही साथ आम लोगों की सहकारी समितियों के वितरण केन्द्र में आवाजाही शुरु हुई। डॉ. रमन सरकार ने सहकारी संस्थाओं के उन्नयन के लिए केन्द्र सरकार द्वारा बनाई गई प्रो. वैद्यनाथन कमेटी की सिफारिशों को लागू किया। सितम्बर 2007 में राज्य सरकार, नाबार्ड एवं क्रियान्वयन एजेन्सियों के मध्य एम.ओ.यू. हुआ। इसके तहत सह कारी समितियों को कुल 225 करोड रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई जिससे मृतप्राय सहकारी समितियों को जीवन दान मिल गया।

किसानों के बारे में कहा जाता है कि किसान ऋण में पैदा होता है, ऋण लेकर जीता है तथा ऋण छोड़कर मर जाता है। इसकी मूल वजह यह थी कि कृषि ऋण पर भारी भरकम ब्याज वसूला जाता था। साहूकारी प्रथा के समय तीन प्रतिशत मासिक यानी 36 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर भी मुश्किल से ऋण उपलब्ध हो पाता था। खेती कोई इतना लाभकारी धंधा तो था नहीं कि इतना भारी-भरकम ब्याज लोग अदा कर सके । अतः किसान कर्ज के बोझ तले साहूकारों की गुलामी करने पर मजबूर हो जाते थे। कालांतर में सहकारी आंदोलन का विस्तार हुआ। किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं की आपूर्ति एवं किफायती दर पर खाद-बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का गठन हुआ। जिसे सामान्य क्षेत्र में पैक्स तथा अनुसूचित क्षेत्र में लैम्स कहा जाता है। सहकारी समितियां अपने सदस्य कृषकों को ऋण सुविधा प्रदान कराने लगी परन्तु इस पर ब्याज दर 16 प्रतिशत से कम नहीं था। समितियां भी समय सीमा पर ऋण अदायगी नहीं करने वाले सदस्यों से चक्रवृद्धि ब्याज वसूल कर रही थी। समय पर किसानों द्वारा ऋण अदा ना करने के अनेक कारण हो सकते हैं लेकिन उसमें से एक प्रमुख कारण मौसम की अनिश्चिता भी है । चाहे अतिवृष्टि हो, चाहे अनावृष्टि अथवा समय पर वृष्टि ना हो तो कृषि-उत्पाद पर प्रतिकूल असर पड़ता ही है, फसल खराब होने के बाद किसान ऋण अदा करने में अक्षम हो जाते है। ऐसे किसान समितियों के डिफाल्फर की श्रेणी में आ जाते हैं । इनकी कृषि भूमि नीलाम हो जाती है। डॉ. रमन सरकार ने किसानों की इस दशा पर चिन्ता करते हुये कृषि ऋण पर ब्याज दर शून्य प्रतिशत कर दिया, जो किसानों के लिए वरदान सिद्ध हुआ1 यानी किसानों को अब केवल मूलधन ही अदा करना होता है, ब्याज की राशि समितियों को ब्याज अनुदान के रुप में सरकार अदा करती है। साल दर साल अकाल से जुझ रहे किसानों के लिए यह बहुत ही राहत भरा फैसला था। इसका परिणाम यह हुआ कि छत्तीसगढ़ निर्माण के प्रथम वर्ष में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से 152 करोड़ रूपये का कृषि ऋण वितरित किया था जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर लगभग 6800 करोड़ रूपये तक पहुँच गया है 1 ऋण लेने वाले किसानों की संख्या भी 4 लाख से बढ़कर साढ़े पंद्रह लाख हो गई है 1 इस बीच राष्ट्रीय फसल बीमा योजना लागू हुई, जो प्रतिकूल परिस्थितियों में किसानों के लिए आर्थिक रक्षा कवच बन गई है। डॉ. रमन सरकार ने छत्तीसगढ़ में कृषि के मानसून पर निर्भरता को कम करने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया उन्होंने सिंचाई की सुविधा बढ़ाई । जल श्रोतों की उपलब्धता के आधार पर नाला बंधान, चेक डैम एवं एनीकट का निर्माण किया जिससे छत्तीसगढ़ में सिंचित रकबा में अप्रत्याशित बढ़ौतरी हुई। इसके अलावा शाकम्भरी योजना, किसान समृ द्धि योजना एवं सौर सुजला योजना लागू किया । इससे किसान सिंचाई जल के मामले में आत्मनिर्भर होने लगे। फलस्वरूप कृषि उत्पाद में अपेक्षाकृत बढ़ौतरी हुई, साथ ही साथ किसानों की आय भी बढ़ने लगी।

छत्तीसगढ़ में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी सहकारी समितियों के माध्यम से होती है। छत्तीसगढ राज्य निर्माण के प्रथम वर्ष सन् 2000-2001 में न्यूनतम् समर्थन मूल्य पर मात्र 4.63 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी की गई थी । जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 150 लाख मेट्रिक टन हो गई है। वर्तमान में 2058 सहकारी समितियां द्वारा 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी की व्यवस्था की गई है। सभी उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी एवं भुगतान की व्यवस्था ऑनलाइन है । सभी समितियों में माइक्रो ए.टी.एम. की भी व्यवस्था की गई है तथा किसानों को रुपे के.सी.सी. कार्ड भी उपलब्ध कराया गया है । इसीलिए छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था को पूरे देश में एक आदर्श व्यवस्था के रूप में माना जाता है ।

केन्द्र की मोदी सरकार भी सहकारी आन्दोलन के लिए प्रति काफी गंभीर है। इसीलिए केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय की स्थाप ना कर कद्दावर मंत्री श्री अमित शाह जी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री शाह दृढ़ निश्चयी है तथा इरादे के पक्के हैं, सह कारिता के क्षेत्र में नई सोच के साथ नित्य नये कदम उठा रहें है। पैक्स के लिए आदर्श बायलॉज एवं सहकारी समितियों के विस्तार की उनकी योजना का लाभ देश के साथ साथ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है ।

अब महिला क्रिकेट टीम ने लिखी नई गौरव-गाथा

खेल

सुनील कुमार महला

02 नवंबर 2025 रविवार का दिन अपने-आप में ऐतिहासिक बन गया और हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। दरअसल, इस दिन हमारे देश की महिला क्रिकेट टीम 'विश्व विजेत्री' बन गई। रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 298 रन बनाए तथा जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 45.3 ओवर में 246 रन पर ऑलआउट हो गई। इस मैच में साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी, लेकिन भारत ने यह मुकाबला 52 रन से जीत लिया और पहली बार महिला टीम वनडे विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि,लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वूलवार्ट ने अकेले दम पर लड़ाई लड़ी। उन्होंने दबाव में रहते हुए भी बेहतरीन/शानदार बल्लेबाजी की और लगातार दूसरा शतक जड़ते हुए 101 रन बनाए। कहना ग़लत नहीं होगा कि उनकी पारी ने मैच को काफ़ी रोमांचक बनाए रखा, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। इधर, हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया और अब वह कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे महान कप्तानों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं, विशेष बधाई और शुभकामनाएं। वास्तव में, यह दर्शाता है कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। आज हमारे देश की महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान पर कीर्तिमान स्थापित कर रहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज महिला सशक्तीकरण हो रहा है।सच तो यह है कि आज महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। वे राजनीति, विज्ञान, शिक्षा, खेल, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग जगत तक में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। और तो और तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र में भी उनकी भूमिका तेजी से बढ़ी है। यह साबित करता है कि महिलाएं अब सीमाओं को तोड़कर हर क्षेत्र में अग्रणी बन चुकी हैं।हम यहां यह बात खुले दिल से कह सकते हैं कि महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदानों में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में देश का नाम रौशन कर रही हैं। खेल के माध्यम से महिलाएं आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं। जहां तक क्रिकेट की बात है तो, क्रिकेट भी अब सिर्फ पुरुषों का खेल नहीं रहा है, बल्कि यह अब समान अवसर और सम्मान का प्रतीक बन गया है। यह बदलाव समाज में महिलाओं की बढ़ती ताकत और उनकी नई पहचान का सशक्त उदाहरण है।पाठक जानते हैं कि 2 नवंबर 2025 रविवार को हमारी महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका(दक्षिण अफ्रीका) की टीम को 52 रन से हराया और हम क्रिकेट में विश्व चैंपियन बन गए,जो कि अब तक पुरूषों के वर्चस्व वाला ही खेल माना जाता रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि 25 जून 1983 को कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीतकर देश का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया था। उस दिन क्रिकेट में भारत ने अपना झंडा गाड़ा था और पूरी दुनिया को

अपनी ताकत दिखाई थी। आज, 2 नवम्बर 2025 को वही इतिहास दोबारा लिखा गया है, पर इस बार बल्ला थामा हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त देकर विश्व क्रिकेट में एक नया स्वर्ण अध्याय जोड़ दिया है। यह जीत सिर्फ एक खेल की जीत नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की उड़ान का प्रतीक है। हर महिला खिलाड़ी ने मैदान पर ऐसा जज़्बा दिखाया, मानो 1983 की आत्मा फिर से जीवित हो उठी हो। करोड़ों भारतीयों के दिलों में गर्व और खुशी का सैलाब उमड़ पड़ा है। महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी कि मेहनत और हौसले से कोई भी सपना असंभव नहीं। अब भारत न केवल पुरुष क्रिकेट का, बल्कि महिला क्रिकेट का भी विश्व विजेता बन चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वास्तव में यह सच्चे अर्थों में 'नए भारत' का गौरव क्षण है। इस खिताबी जीत में शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा का अहम योगदान रहा। रोहतक की शेफाली ने पहले 78 गेंद पर 87 रन बनाए और फिर बाद में अपनी फिरकी का जादू चलाते हुए शीर्ष पांच में से दो साउथ अफ्रीकी बैटर्स के विकेट भी निकाले। दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए और शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी ऑफ-स्पिन से 39 रन देकर 5 विकेट भी लिए। वास्तव में सच तो यह है कि भारतीय जीत की वास्तुकार बनीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा। उन्होंने ही निर्णायक क्षणों में शतकवीर वूलवार्ट का विकेट लिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें टूट गईं।

उनकी इस जादुई गेंदबाजी ने टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित की।शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि दीप्ति शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। बहरहाल, ऊपर इस आलेख में जानकारी दें चुका हूं कि भारत के 298 रनों के जवाब में साउथ अफ्रीका की पूरी टीम 246 रन ही बना पाई। बहरहाल, यहां यह उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम तीसरी बार वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। पाठकों को बताता चलूं कि साल 2005 में बेटियों के चैंपियन बनने का सपना ऑस्ट्रेलिया ने और साल 2017 में इंग्लैंड ने तोड़ दिया था, लेकिन इस बार बेटियों ने हार नहीं मानी और दक्षिण अफ्रीका से अंत तक लड़ते हुए न सिर्फ मुकाबला जीता बल्कि खिताब भी अपने नाम कर लिया। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया की टीम सर्वाधिक बार महिला वनडे विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम है तथा साल 1973 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में अब तक कुल 13 बार विश्व कप खेले जा चुके हैं। इनमें से ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड सात बार खिताब अपने नाम किया है। इंग्लैंड की टीम दूसरे स्थान पर है, जिसने चार बार ट्रॉफी जीती है। वहीं, न्यूजीलैंड ने एक बार विश्व कप अपने नाम किया है। अब इस सूची में भारतीय महिला टीम का भी नाम जुड़ गया है, जिसने पहली बार वनडे विश्वकप की ट्रॉफी अपने नाम की है।खुशी की बात है कि बीसीसीआई ने टीम के लिए 51 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की है, निश्चित ही खिलाड़ियों का मनोबल इससे बढ़ेगा। जानकारी के अनुसार यह पुरस्कार राशि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से मिलने वाली पुरस्कार राशि के अतिरिक्त एक बड़ा बोनस है। गौरतलब है कि टूर्नामेंट के विजेताओं को पहले ही 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिल चुकी है। अंत में यही कहूंगा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत से देशभर में महिलाओं के खेल के प्रति नजरिया और भी सकारात्मक होगा। यह जीत न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी की लड़कियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीत देश भर में महिला क्रिकेट के प्रति जागरूकता और समर्थन को भी बढ़ाएगी। उम्मीद है कि इस सफलता के बाद, महिला क्रिकेट को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा और यह खेल देश में और भी अधिक लोकप्रिय हो सकेगा।

दूरस्थ ग्रामीण इलाकों तक हो रहा उजियारा

25 वर्षों में बस्तर के हर गांव तक पहुंची बिजली की रोशनी

जगदलपुर,3 नवंबर। बस्तर की पावन धरा अब सिर्फ जंगलों और आदिवासी संस्कृति की गवाह नहीं रह गई, बल्कि बिजली की रोशनी हर गांवों में पहुंची है। पिछले पच्चीस वर्षों में जगदलपुर ग्रामीण संभाग ने विद्युतीकरण के क्षेत्र में जो छलांग लगाई है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है। वर्ष 2000 में जहां एक गांव तक बिजली पहुंचाना चुनौती थी, वहीं 2025 में हर मजरा-टोला, हर घर रोशनी से जगमगा रहा है। अब बस्तर जिले में विद्युतीकरण का स्तर सौ फीसदी हो चुका है। आदिवासी बहुल इस इलाके के लिए यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। गांव-गांव में फैले विद्युत सुविधा ने जनजीवन को आसान किया। खेती-बाड़ी के लिए सिंचाई में भी किसानों को बड़ी सहूलियत हो रही है।

कार्यपालन अभियंता जगदलपुर ग्रामीण संभाग पीके अग्रवानी के अनुसार जगदलपुर ग्रामीण संभाग के 577 गांव और शहर क्षेत्र का एक गांव मिलाकर कुल 578 गांव अब पूरी तरह बिजली से जुड़ चुके हैं। मजरा-टोलों की संख्या उन दिनों के 3989 से बढ़कर 5107 हो गई है, और इनमें से हर एक तक बिजली की लाइनें पहुंच चुकी हैं। अंधेरे की कोई छाया अब कहीं नहीं बची है। यह बदलाव सिर्फ तारों और खंभों की कहानी नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे की पूरी क्रांति है। 33/11 केवी सब स्टेशनों की संख्या महज छह से बढ़कर 27 हो गई, जिनकी क्षमता 24 मेगावोल्ट एम्पीयर से छलांग लगाकर 138.70 मेगावोल्ट एम्पीयर तक जा पहुंच चुकी है। वहीं 11 केवी लाइनों का जाल 1390 किलोमीटर से बढ़कर 4850 किलोमीटर तक विस्तृत हो चुका है, जबकि कम वोल्टेज की लाइनें 2257 किलोमीटर से बढ़कर 6017 किलोमीटर तक पहुंच गई हैं। हालांकि, इस सफर में चुनौतियां भी कम नहीं रहीं। इस दौरान झारा घाटी में माओवादियों ने बिजली के टावर को गिरा दिया था, जिसके कारण 20 दिनों से अधिक समय तक आधे से अधिक बस्तर संभाग में बिजली गुल की भयावह समस्या उत्पन्न हुई थी। उसके बाद फिर ब्लैक आउट हुआ था। इन विद्युत अवरोध की स्थिति को देखते हुए बस्तर के समीप परचनपाल में लगभग 450 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 400 केवी सब स्टेशन का निर्माण किया गया, जो क्षेत्रीय ग्रिड को मजबूत बनाते हुए बिजली की स्थिरता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर रहा है। इसी क्रम में 132 केवी क्षमता का एक सब स्टेशन भी स्थापित की गई है, साथ ही 132 केवी लाइनें 180 किलोमीटर से 254 किलोमीटर तक विस्तारित हुई हैं। इन उच्च वोल्टेज सब स्टेशनों के साथ ट्रांसफॉर्मरों में नई क्षमताएं जुड़ीं है और दो गुणा तीन सौ पंद्रह, दो गुणा एक सौ साठ और पांच गुणा चालीस मेगावोल्ट एम्पीयर-जो वोल्टेज ड्रॉप को कम कर बिजली की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला रही हैं। इसके अतिरिक्त, 220 केवी और 33 केवी स्तर पर भी आधारभूत कार्य पूरे हो चुके हैं, जो दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। इन आंकड़ों के पीछे की वास्तविक स्थिति उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या है। वर्ष 2000 में जहां कुल उपभोक्ता 5380 थे, वहीं आज दो लाख 19450 घरों तक बिजली का मीटर लग चुका है। सामान्य उपभोक्ता 59000 से बढ़कर एक लाख 68 हजार हो गए हैं। विद्युत पंप उपभोक्ता 900 से 9083 हो गए हैं और बीपीएल उपभोक्ताओं की संख्या 30 हजार से बढ़कर एक लाख 14 हजार तक जा पहुंची है।कार्यपालन अभियंता जगदलपुर ग्रामीण संभाग प्रदीप अग्रवानी के अनुसार यह चमत्कार केंद्र की सौभाग्य योजना और दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना सहित मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना का नतीजा है। अब बस्तर में बिजली की कमी से न ही उद्योगों के विकास रुकेंगे और न ही सिंचाई रुकेगी और न ही गांव अंधियारे में रहेंगे। यह विकास बस्तर को आत्मनिर्भर बनाने के साथ पूरे छत्तीसगढ़ के लिए मिसाल बन रहा है। आने वाले वर्षों में नवीकरण ऊर्जा पर जोर के साथ यह रोशनी और दूर तक चमकेगी। बस्तर अब अंधेरे का पर्याय नहीं, उजाले का नया ठौर बन गया है।

एक नजर

विनोद बघेल को खनिज रत्न अवार्ड मिलने पर भारतीय मजदूर संघ ने दी बधाई

किरंदुल,3 नवंबर। एनएमडीसी लिमिटेड किरंदुल काम्प्लेक्स के 11सी माइंस में मास्टर एच ई एम ऑपरेटर ग्रेड-1 के पद पर कार्यरत विनोद बघेल को एनएमडीसी स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को मुख्यालय हैदराबाद में एनएमडीसी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के कर कमलों से ÷खनिज रत्न÷ अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित होने हेतु नामित होने पर भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध ट्रेड यूनियन खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के अध्यक्ष बी दिल्ली राव, सचिव महेंद्र कुमार, राजेंद्र यादव, बसंत जांगड़े, दानेश्वर जोशी, उपेंद्र नाथ त्रिपाठी, नरेन्द्र साहू, लिशांष सिँह, विराट अवस्थी, बसंत कुमार, अजय कुमार, दिलीप सेठी, अनूप बिश्वास, शेख समीर, बासुदेव साहू, नरोत्तम सिँह ध्रुव एवं समस्त सदस्यों द्वारा विनोद बघेल को उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई दी गई तथा भविष्य में भी कम्पनी को उनकी कर्मठता, अनुशासन से इसी तरह से उनका अमूल्य योगदान मिलता रहे, अन्य कर्मचारियों को वे इसी तरह से प्रेरित करते रहें, इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ सदैव उनके स्वस्थ रहने की शुभकामनायें दी गई।

सरदार पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन

बीजापुर,3 नवंबर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर 2025 को जिले में ÷एका मिर्राना÷ राष्ट्रीय एकता दौड़ 2025 का आयोजन किया गया। एकता दौड़ का शुभारंभ प्रातः 07:00 बजे मिनी स्टेडियम बीजापुर से किया गया जो लोहा डोंगरी तक संपन्न हुई। इस अवसर पर पुलिस विभाग, जिला प्रशासन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, शिक्षा विभाग, वन विभाग, बीजापुर स्पोर्ट्स एकेडमी, स्काउट-गाइड्स एवं स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में लगभग 650 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें स्कूली बच्चे, अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर लोहा डोंगरी में पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव द्वारा उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर कलेक्टर संबित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ,वन मण्डलाधिकारी बीजापुर, रंगानाथा रामाकृष्ण वाय, अति0पुलिस अधीक्षक ऑप्स श्री रविन्द्र कुमार मीणा, अपर कलेक्टर श्री भूपेंद्र अग्रवाल एवं जिले के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे एका मिर्राना राष्ट्रीय एकता दौड़÷ का मुख्य उद्देश्य देश के एकता, अखंडता एवं भाईचारे के भाव को जन-जन तक पहुँचाना तथा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी के योगदान को नमन करना रहा। बीजापुर पुलिस द्वारा जिले के नागरिकों से राष्ट्रीय एकता, सद्भाव एवं विकास की भावना को आगे बढ़ाने की अपील की गई।

जोन स्तरीय पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में गीदम के बच्चों को मिला प्रथम स्थान

गीदम, 3 नवंबर। दंतेवाड़ा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को जोन स्तरीय पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें दंतेवाड़ा व बीजापुर जिले के बच्चों ने हिस्सा लिया । इस प्रतियोगिता में दोनों जिले के कई बच्चे यहां शामिल हुए और अपने-अपने मॉडल की प्रदर्शनी लगाई। इधर गीदम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बच्चे भी इस प्रतियोगिता में शामिल हुए जहां इन बच्चों का मॉडल इस प्रतियोगिता में सबसे अव्वल रहा। बच्चों ने इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया जिसमें एकल प्रोजेक्ट में प्रथम स्थान पर कक्षा 11 वीं विज्ञान संकाय के छात्र कमलेश कुमार कडती रहे वही टीम प्रोजेक्ट में प्रथम स्थान पर कक्षा 12 वीं विज्ञान संकाय के भानुप्रताप मानिकपुरी एव किरण सागर रहे । इन बच्चों ने अपने विकसित भारत के लिए नई कल्पना रखी । विद्यालय में पदस्थ व्याख्याता पार्थ सरकार के मार्गदर्शन में बच्चो द्वारा बनाये गए मॉडल में विद्युत रोड़ का निर्माण किया गया था जो कि टेसला नामक वैज्ञानिक की खोज थी, यह बिना तार के बिजली का संचारण था। इसमे सौर्य ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तन एव संग्रहित कर विद्युत रोड का निर्माण किया गया। यह टेक्नोलॉजी जर्मनी , स्वीडन जैसे विकसित देश मे है। गीदम के बच्चों का यह मॉडल विज्ञान के प्रति उनकी रुचि, लगन , मेहनत और उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है । वही भानुप्रताप व किरण ने अपने मॉडल में ऐसे वाहन का निर्माण दिखाया जो भारत की रक्षा के लिए बनाया गया है जिसमे सेटरलाइट इंटरनेट से कैमरा लगा हुआ है जो दिन रात काम करता है यह वाहन बॉर्डर की सुरक्षा के लिए एव नक्सली गतिविधि के लिए लाभदायक है।प्रदर्शनी में इन बच्चों के यह मॉडल की खूब सराहना की गई और प्रथम स्थान दिया गया । वही बच्चो के इस प्रदर्शनी को लेकर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती निर्मला गुप्ता एव सभी शिक्षको ने बाल वैज्ञानिकों एव बच्चो को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीआरपीएफ जवान के नाम पर फर्जी कंपनी खोलकर किया जा रहा था करोड़ों का कारोबार

जगदलपुर,3 नवंबर। बस्तर जिले से एक चौंकाने वाला वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अज्ञात जालसाजों ने एक सेवारत सीआरपीएफ जवान के पैन कार्ड का दुरुपयोग करते हुए उनके नाम पर फर्जी कंपनी खोल दी और करोड़ों रुपये का अवैध कारोबार कर डाला।

मामले का खुलासा तब हुआ जब जवान को आयकर विभाग, जगदलपुर से 10.51 करोड़ की टैक्स देनदारी का नोटिस प्राप्त हुआ। नोटिस में वित्तीय वर्ष 2019-20 और 2020-21 के दौरान उनकी कथित कंपनी द्वारा किए गए भारी वित्तीय लेनदेन और बिक्री का उल्लेख किया गया था। जवान ने पुलिस से दी गई शिकायत में बताया कि उसने न तो कोई कंपनी खोली है, और न ही किसी प्रकार के व्यापारिक या वित्तीय लेन-देन में शामिल रहा है। ऐसे में उसके नाम पर करोड़ों रुपये का कारोबार किसी बड़े साइबर या वित्तीय फर्जीवाड़े की ओर संकेत करता है।

पुलिस ने शुरु की मामले की जांच

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर किसने जवान की व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग कर उनके नाम पर कंपनी पंजीकृत कराई। सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह मामला किसी संगठित साइबर-फ्रॉड गैंग से जुड़ा हो सकता है।

बच्चों के भोजन, स्कॉलरशिप में धांधली

सुकमा,3 नवंबर। सुकमा जिले के आश्रम-पोटाकेबिनों में पद और पैसों का खेल चरम होने का आरोप बस्तरिया राज मोर्चा के संयोजक और पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन मिलकर आदिवासी बच्चों के मुंह से निवाला छीन रहे हैं। शनिवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते कुंजाम ने कहा कि जिस बदलाव की बात कहकर भाजपा सरकार बनी थी, वहीं अब बच्चों की छात्रवृत्ति और भोजन से हर महीने लाखों रुपए वसूले जा रहे हैं।आश्रम-पोटाकेबिनों के अधीक्षक पदों पर आरक्षित वर्ग और स्थानीय युवाओं को नियुक्त करने का नियम है, लेकिन सत्तापक्ष के नेताओं को रिश्वत देने वाले लोगों की ही नियुक्ति हो रही है। कुंजाम ने बताया कि जिलेभर में अब तक करीब 30 लाख रुपए की वसूली की जा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाते कहा कि सारी जानकारियों के बावजूद प्रशासन भी मौन है। कई बार इन मामलों की जांच की मांग मोर्चे ने की, लेकिन अब तक न जांच और न ही कार्रवाई हुई। इन हालातों में कुंजाम ने सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।मोर्चा पदाधिकारी राजेश नाग ने बताया कि शुक्रवार की रात केरलापाल छात्रावास से छात्रों ने फोन पर जानकारी दी कि अधीक्षक पैसे लेकर भाग गया, जिससे बच्चे भूखे रह गए। इसकी सूचना पर स्थानीय ग्रामीण व छात्रों ने नेशनल हाइवे पर बैठकर विरोध भी किया।

बस्तर के उत्पादों को आमचो बस्तर हॉट कियोस्क से मिली नई पहचान

जगदलपुर,3 नवंबर। जगदलपुर के सिटी ग्राउंड में रविवार को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ रविवार को छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री के हाथों राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत आमचो बस्तर हॉट कियोस्क का उद्घाटन किया गया और साथ ही बस्तर आर्ट (कला गुड़ी) कैटलॉग का विमोचन भी किया गया। यह आमचो बस्तर हॉट कियोस्क एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य बस्तर जिले में दूरदराज के स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुँचाना है। छत्तीसगढ़ और बस्तर जिले में पहली बार शुरू किए गए इस कियोस्क के माध्यम से समूह अब अपने बेहतरीन उत्पादों को विक्रय कर सकते हैं, जिससे उनकी बाजार तक पहुँच सुनिश्चित होगी। इस कियोस्क पर बेलमेटल, ढोकरा आर्ट, बांस शिल्प, काष्ट शिल्प, और मूर्ति कला जैसे अद्भुत हस्तशिल्प उत्पाद उपलब्ध हैं, जो बस्तर की समृद्ध कला को दर्शाते हैं। इसके अलावा, काजू, इमली उत्पाद, कोदो, कुटकी, महुआ, हल्दी, मिर्ची, धनिया, तीखुर, और बस्तर कॉफी जैसे स्थानीय उच्च गुणवत्ता वाले कृषि और वनोपज उत्पाद भी विक्रय के लिए रखे गए हैं। आमचो बस्तर हॉट कियोस्क का मुख्य लक्ष्य समूहों की आय में वृद्धि करना और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। यह इकाई न केवल उत्पादों का प्रचार करेगी, बल्कि समूहों को ग्राहकों की ज़रूरतों और पसंद को सीधे समझने का अवसर भी प्रदान करेगी, जिससे वे अपने उत्पादों को बाज़ार की माँग के अनुसार तैयार कर सकें। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस पहल को बस्तर के स्थानीय लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम निरूपित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, आयुक्त डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी, कलेक्टर हरिस एस, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण और जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

25 वर्षों में राज्य ने हर क्षेत्र में विकास किया: डिप्टी सीएम साव

जगदलपुर । राज्य के स्थापना के 25 वर्ष के अवसर पर आयोजित बस्तर जिले के जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का मुख्य अतिथि और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री साव ने विभागों द्वारा आयोजित स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की प्रगति और हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया।

कार्यक्रम में आमचो बस्तर हाट कियोस्क का भी उद्घाटन करते हुए कलागुड़ी कैटलॉक का भी विमोचन किया ।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि दंतेश्वरी मैय्या का पवित्र धरा में जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया जा रहा है, हम प्रदेश के 25 वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्व श्री अटल बिहारी बाजपेयी की योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने पच्चीस वर्ष में सभी क्षेत्रों में विकास किया है। शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना का विकास किया, विकास की गंगा बह रही है जिसके कारण देश में राज्य ने नई पहचान बनाई है।तेज गति से विकास करने, बड़े बड़े उद्योगों के लिए निवेश हो रहे हैं। दुर्गम क्षेत्रों में सुरक्षा बलों और पुलिस के द्वारा नक्सल मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है, नक्सलियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी गई है। बस्तर को दुनिया अब कला, संस्कृति, सभ्यता और पर्यटन के क्षेत्र में पहचान बनाई है पच्चीस वर्ष की रजत जयंती पर राज्योत्सव को भव्य रूप बनाने का निर्णय सरकार ने लिया। राज्य लंबी उड़ान के लिए तैयार है,हमको विकसित छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने का काम करना है ।कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, नगर निगम सभापति ने भी संबोधित कर राजोत्सव की सभी को शुभकामनाएँ दी । कलेक्टर हरिस एस ने स्वागत उद्बोधन देकर जिले के विकास कार्यों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि को कमिश्नर डोमन सिंह, आई जी सुंदरराज पी ने स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम में गणमान्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

अब भय नहीं, विकास की पहचान है दंतेवाड़ा: कश्यप

दंतेवाड़ा, 3 नवंबर । दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25वें जन्मोत्सव (राज्योत्सव) रजत महोत्सव-2025 का शुभारंभ आज जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा के माँ दंतेश्वरी मंदिर के प्रांगण परिसर मेंढक डोबरा में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य विभाग के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी मंत्री श्री कश्यप द्वारा माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर पारंपरिक विधि-विधान से की गई। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्षों में विकास की नई परंपराओं की स्थापना हुई है। राज्य ने प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और यह रजत महोत्सव उन उपलब्धियों का प्रतीक है।इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि एक समय था जब दंतेवाड़ा का नाम सुनते ही भय और असुरक्षा का भाव उत्पन्न होता था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब जब दंतेवाड़ा से फोन आता है, तो खुशी होती है, क्योंकि अब यह जिला शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, कृषि, सड़क और विकास के हर क्षेत्र में नई दिशा की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में दंतेवाड़ा सहित समूचे बस्तर क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज हुई है। उन्होंने कहा कि पहले जगदलपुर और कांकेर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई थी, और अब दंतेवाड़ा में भी मेडिकल कॉलेज की नींव रखी जा चुकी है, जो यहां के युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। जिले में अब सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे आम नागरिक अंतिम छोर तक सहजता से पहुंच सकें। यह परिवर्तन विकास की उस यात्रा का प्रतीक है, जिसमें दंतेवाड़ा अब मजबूती से आगे बढ़ रहा है। नक्सली उन्मूलन के संबंध में उन्होंने आगे कहा कि बस्तर का स्वर्णिम समय अब आ गया है। जब बस्तर नक्सलवाद मुक्त बस्तर कहलायेगा, यहां हमारे प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री की इच्छा शक्ति का परिणाम है।इस अवसर पर मंत्री श्री कश्यप ने जिला प्रशासन द्वारा राज्य के 25 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए उसका अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की झलक, जिला प्रशासन के नवाचार, पोषण, शिक्षा, कृषि, पर्यटन और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में हुए उल्लेखनीय कार्यों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीब परिवारों को घर उपलब्ध कराने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि हर परिवार को छत मिले।

भूपति ने साथियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की

जगदलपुर,1 नवंबर। डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सली मोजुल्ला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सरकार के सामक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने कहा कि संगठन के लोग मुझे गद्दार कह रहे हैं, लेकिन मैं गद्दार नहीं हूं। वर्तमान की परिस्थितियां बदल गई हैं । इसलिए अपने अन्य 60 साथियों के साथ हथियार डाला हूं। भूपति का कहना है कि आज भी देश में संगठन में मौजूद कई साथी इलाका और सत्ता के लिए हथियारबंद संघर्ष में डटे हुए हैं।उन्होंने कहा कि इस रास्ते पर चलकर ही हम जनता से दूर हुए हैं, ये इस रास्ते की विफलता को दर्शाता है। हमने अपने साथियों को खोने के बाद आत्मसमर्पण का फैसला लिया। अब हम हथियार छोड़कर, जनता के बीच रहकर उनके लिए काम करना चाहते हैं। भूपति ने अपने साथियों से भी आत्मसमर्पण करने की अपील की है। साथ ही भूपति ने साथियों के लिए अपना एक कॉन्टैक्ट नंबर 8856038533 जारी कर कहा है कि इस नंबर पर उससे सीधे संपर्क करे। इसके अलावा आत्मसमर्पित नक्सली रूपेश का नंबर 6267138163 भी जारी किया है। जिस पर हिंसा छोड़ने की इच्छा रखने वाले नक्सली उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि संगठन के भीतर वैचारिक संकट गहराता जा रहा है। यह समय बंदूक उठाने का नहीं बल्कि आत्ममंथन का है। जनता की लड़ाई अब जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीकों से लड़ी जानी चाहिए। आत्मसमर्पण करने के बाद भूपति ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है।भूपति ने नक्सल संगठन में मौजूद अपने साथियों से अपील की है कि वे भी हिंसा का रास्ता छोड़ दें और आत्मसमर्पण कर दें। भूपति का कहना है कि हमने जिन साथियों को खोया है उसके लिए अब बदलाव जरूरी है। सेंट्रल कमेटी सारी परिस्थितियों को समझ रही है। लेकिन संघर्ष पर बदलाव लाने के लिए तैयार नहीं है, ये उनकी कठमुल्लावाद तरीका को दर्शाता है। भूपति ने कहा हथियार छोड़कर जनता के बीच में आकर काम करें। छत्तीसगढ़ में लीडर रूपेश के साथ सैकड़ों साथियों ने हिंसा छोड़ दी है। अब कानून के दायरे में रहकर हम जनता के बीच में रहकर काम करेंगे गौरतलब है कि भूपति के आत्मसमर्पण करने के बाद नक्सलियों के सीसी मेंबर रूपेश ने भी छत्तीसगढ़ सरकार के सामने हथियार के साथ आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद रूपेश ने भी एक वीडियो जारी किया था। रूपेश ने कहा कि महासचिव बसवा राजू भी चाहते थे कि संघर्ष विराम हो। इसी बीच बसवा राजू का एनकाउंटर हो गया, हमे अपने साथियों की चिंता है, हमें भविष्य के बारे में सोचना था। रूपेश ने माओवादी संगठन पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि दंडकारण्य की बैठक में भी उन्हें नहीं बताया कि उत्तर बस्तर साथी क्या सोच रहे हैं। आत्मसमर्पित नक्सली लीडर रूपेश ने कहा कि नुकसानों को लेकर पार्टी हमें जिम्मेदार ठहरा रही है, यह गलत है। हमने पार्टी को बचाने के लिए आत्मसमर्पण किया है। मैं अपने किसी भी साथी को दबाव डालकर आत्मसमर्पण करवाने नहीं लाया हूं। दरअसल, 17 अक्टूबर को जगदलपुर में 210 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया था। 153 हथियार भी सौंपे गए थे। इन्हें 3 बसों के जरिए के जगदलपुर मुख्यालय लाया गया था। इनमें 1 करोड़ का इनामी सेंट्रल कमेटी मेंबर (छ्टरू) सतीश उर्फ टी. वासुदेव राव उर्फ रूपेश भी शामिल था।इसके बाद नक्सल संगठन की ओर से नक्सली अभय के नाम से पर्चा जारी हुआ, जिसमें रूपेश समेत 210 सरेंडर नक्सलियों को गद्दार बताया गया था।

बम्हनी में 5 नवंबर को कंवर गौरव सम्मान एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन

राजनांदगांव,3 नवंबर। ग्राम बम्हनी (सुकुलदैहान) में आदिवासी कंवर समाज विकास समिति परिक्षेत्र संस्कारधानी राजनांदगांव द्वारा तहसील स्तरीय दीपावली मिलन युवक युवती परिचय सम्मेलन एवं कंवर गौरव सम्मान समारोह का आयोजन 5 नवबंर को किया जा रहा है।

इस सामाजिक एवं संस्कृतिक आयोजन में समाज के शिक्षित व्यवसायिक कृषि, खेलकूद एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उतकृष्ट योगदान देने प्रतिभावान व्यक्तियों का कंवर गौरव सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

साथ ही युवक युवती परिचय सम्मेलन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रेरक उद्बोधन एवं सामाजिक संगगोष्ठी का भी आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मधुसुदन यादव (महापौर एवं पूर्व सांसद राजनांदगांव) अध्यक्षता हरवंश मिरी (प्रदेश अध्यक्ष कंवर समाज रायपुर) करेंगे विशेष अतिथि के रूप में नकुल चंद्रवंशी, उपेन्द्र पैकरा, बिंदु लाल चंद्रवंशी, प्रो. डॉ मेघराज कपूर, ललिता चंद्रवंशी, सी.एल. चंद्रवंशी, मनोज कुमार चंद्रवंशी, क्षेत्रीय अध्यक्ष राजनांदगांव सहित अनेक प्रतिष्ठित गनमान्य उपस्थित रहेंगे।

क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार चंद्रवंशी ने इस सामजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी कुटुम्बगण, प्रबुद्धजन, युवा वर्ग एवं ग्राम वासी माता,बहनो से सह परिवार अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। उक्त जानकारी रवि चंद्रवंशी मीडिया प्रभारी ने दी।

स्कूली बच्चों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति

राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर:ओपी चौधरी

रायगढ़, 3 नवम्बर । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर जिला मुख्यालय स्थित शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने सभी को रजत जयंती की हार्दिक बधाई दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि यह हमारे प्रदेश के लिए गर्व और आत्मगौरव का क्षण है कि छत्तीसगढ़ ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस राज्य की स्थापना का श्रेय श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की दूरदृष्टि और संकल्प को जाता है, जिनके प्रयासों से छत्तीसगढ़ एक समृद्ध और प्रगतिशील राज्य के रूप में उभर सका है। यह रजत जयंती वर्ष प्रदेश की विकास यात्रा का प्रतीक है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने प्रदेशवासियों से विजन 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब छत्तीसगढ़ भी उसी संकल्प के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।हाल ही में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान सात घंटे प्रदेश में व्यतीत कर अनेक विकास कार्यों की सौगात दी, जो हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण से पहले छत्तीसगढ़ की स्थिति चुनौतीपूर्ण थी, हमारे लौह अयस्क और वन संपदा का लाभ हमें नहीं मिल पाता था। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। वित्त मंत्री चौधरी ने बताया कि जब छत्तीसगढ़ का गठन हुआ तब प्रदेश में एकमात्र शासकीय मेडिकल कालेल था, आज यह संख्या बढ़कर 14 हो चुकी है और जल्द ही 20 से अधिक होने जा रही है। एमबीबीएस सीटें 100 से बढ़कर 2000 तक पहुंचने वाली हैं।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आज प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईआईआईटी जैसे राष्ट्रीय स्तर के अनेक संस्थान संचालित हैं, जो छत्तीसगढ़ की शैक्षणिक प्रगति के प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में रायगढ़ जिला लगातार विकास की ओर अग्रसर है। रायगढ़ में उद्योग के साथ-साथ शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। नालंदा परिसर का निर्माण लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। संस्कृत महाविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, उद्यानिकी महाविद्यालय और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि रायगढ़ में ऑक्सीजोन पार्क, एथलेटिक ट्रैक, स्विमिंग पूल, क्रिकेट व फुटबॉल ग्राउंड सहित नया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। सड़क चौड़ीकरण एवं नगरीय विकास के कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक सिदार, सभापति श्री डिग्रीलाल साहू, नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुषमा खलखो, जनपद पंचायत रायगढ़ अध्यक्ष श्रीमती सुजाता चौहान, पुसौर जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता चौहान, अरूणधर दीवान, श्रीकांत सोमावार, सुभाष पाण्डेय, विकास केडिया, श्रीमती पूनम सोलंकी, गोपाल अग्रवाल, श्री बृजेश गुप्ता,जतीन साव, बलबीर शर्मा, अशोक अग्रवाल, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, डीएफओ अरविंद पीएम सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आभार व्यक्त सीईओ जिला पंचायत श्री अभिजीत बबन पठारे ने किया।

राज्योत्सव समारोह के प्रथम दिन आज शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में स्कूली बच्चों ने शानदार मनमोहक प्रस्तुति दी। जिसमें श्रीमती सोमादास एवं ग्रुप द्वारा गणेश वंदना, डॉ.दीपिका सरकार एवं ग्रुप द्वारा शिव स्त्रोत नृत्य, कुमारी मानवी अग्रवाल द्वारा कथक, कार्मेल कन्या स्कूल के विद्यार्थियों ने मराठी लोकनृत्य सहित अन्य स्कूली बच्चों ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

जिले में 4 नवम्बर से निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रारंभ

रायगढ़, 3 नवम्बर । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार रायगढ़ जिले में 4 नवम्बर 2025 से निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रारंभ हो रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका वर्मा ने बताया कि जिले के सभी तहसील मुख्यालयों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं।

इन हेल्प डेस्कों के माध्यम से मतदाता न केवल विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, बल्कि वर्ष 2003 में किए गए पुनरीक्षण में सम्मिलित मतदाताओं के उनके विधानसभा क्षेत्र की जानकारी भी हासिल कर सकेंगे। प्रत्येक हेल्प डेस्क में एक जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर तथा एक आई.टी. कर्मचारी को नियुक्त किया गया है ताकि मतदाताओं को तकनीकी व प्रक्रिया संबंधी किसी भी समस्या में तत्काल सहायता मिल सके।

विशेष पुनरीक्षण अभियान की तैयारी के तहत 1 नवम्बर 2025 को सभी नियुक्त कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण नोडल अधिकारी श्री जे.एल. जांगड़े के मार्गदर्शन में श्री राजेश डेनियल एवं श्री विकास रंजन सिन्हा द्वारा संपन्न कराया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान यदि किसी मतदाता को नाम जुड़वाने, संशोधन कराने या किसी अन्य जानकारी की आवश्यकता हो, तो वे कलेक्टर परिसर स्थित जिला स्तरीय हेल्प डेस्क या अपने संबंधित तहसील कार्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क से संपर्क कर सकते हैं।

प्रदर्शनी में 25 वर्षों के विकास की झलक

जगदलपुर, 3 नवम्बर । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती समारोह के अवसर पर सिटी ग्राउंड में आयोजित जनसंपर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी लगातार दूसरे दिन भी लोगों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस प्रदर्शनी में बस्तर संभाग के पिछले 25 वर्षों में हुए चहुंमुखी विकास की एक अद्भुत और जीवंत झलक प्रस्तुत की गई है।

प्रदर्शनी में लगे छायाचित्रों के माध्यम से बस्तर के परिवर्तित स्वरूप को दर्शाया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अधोसंरचना और जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से आए बदलावों को देखकर दर्शक अभिभूत हो रहे हैं। प्रदर्शनी में स्वर्गीय बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, ज्ञानगुड़ी, एमआरएफ, बायपास सड़क सहित वनोपज संग्रहण एवं प्रंस्सकरण के अलावा अतिविशिष्ट व्यक्तियों के प्रवास कार्यक्रम इत्यादि के छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। सड़कें और पुल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगभग नई सड़कें और बड़े पुलों का निर्माण किया गया है, जिसने वर्षों से कटे हुए गांवों को मुख्यधारा से जोड़ा है। पानी और बिजली की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

समाचार संक्षेप

कमिश्नर ने एसडीएम-तहसील सहित अन्य कार्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

जगदलपुर, 3 नवम्बर । कमिश्नर बस्तर संभाग श्री डोमन सिंह ने शनिवार को बस्तर जिले के लोहण्डीगुड़ा में एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय सहित जनपद पंचायत, खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बाल विकास परियोजना कार्यालय एवं खण्ड स्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया और शासकीय कामकाज स्थिति की जानकारी ली। वहीं अधिकारी और कर्मचारियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर नियमित रूप से शासकीय कार्यों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने शासकीय कार्यालयों और परिसर में स्वच्छता बनाए रखने पर जोर देते हुए हर महीने के तीसरे शनिवार को स्वच्छता अभियान चलाए जाने सहित कार्यालय और कार्यालय परिसर की साफ-सफाई किए जाने की समझाइश दी। उन्होंने कार्यालय के आलमारी, अन्य फर्नीचर एवं दस्तावेजों की साफ-सफाई करने के साथ ही अनुपयोगी सामग्रियों का अपलेखन किए जाने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री डोमन सिंह ने लोहण्डीगुड़ा के शासकीय कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान पंजियों, नस्तियों तथा अन्य दस्तावेजों का व्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने कहा। वहीं ई-ऑफिस के संचालन स्थिति की जानकारी ली और जल्द से जल्द प्रक्रिया शुरू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों के व्यक्तिगत नस्तियों यथा सेवा पुस्तिका, पासबुक इत्यादि का भी समुचित संधारण करने कहा। कमिश्नर ने इन कार्यालयों में कार्यालय सहायकों को विभिन्न शाखाओं के कामकाज को सीखने-समझने सहित कार्यों को बेहतर ढंग से संपादित करने के लिए हर तीन साल बाद कर्मचारियों का टेबल रोस्टर सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही रिक्त पदों की जानकारी ली और इन पदों की पूर्ति हेतु विभागीय उच्च कार्यालयों के माध्यम से शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया को आगामी 10 दिवस के भीतर पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए।एसडीएम एवं तहसील कार्यालय में प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देशकमिश्नर ने एसडीएम और तहसील कार्यालय के निरीक्षण करने के दौरान ई-कोर्ट में दर्ज राजस्व प्रकरणों के निराकरण स्थिति की जानकारी ली ।

जगदलपुर में बूथ लेवल एजेंटों को दिया गया प्रशिक्षण

जगदलपुर,3 नवम्बर। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को सुचारू और त्रुटि रहित ढंग से संचालित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जगदलपुर विधानसभा के अंतर्गत विभिन्न राजनैतिक दलों के बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। जिला कार्यालय के प्रेरणा सभा कक्ष में सोमवार 03 नवंबर को बूथ लेवल एजेंटों के लिए एक दिवसीय अनिवार्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में क्षेत्र के सभी प्रमुख राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी, इंडियन नेशनल कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी तथा अन्य प्रतियों के बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की।प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बिंदु मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन करने से संबंधित जटिल प्रक्रियाओं को समझाना था।

विकास,सुशासन और जनकल्याण की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा छत्तीसगढ़:गुरु खुशवंत साहेब

मिनी स्टेडियम मोहला में जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम आयोजित

मोहला 3 नवंबर । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती वर्ष के अवसर पर मिनी स्टेडियम मोहला में जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने छत्तीसगढ़ महतारी की शैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर किया।इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री साहेब ने जिलेवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में प्रदेश निरंतर प्रगति की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।

तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री साहेब ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है। कृषि प्रधान राज्य छत्तीसगढ़ में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से कर रही है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना जैसी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, वहीं जरूरतमंद परिवारों के लिए आवास निर्माण और महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन पहलों से प्रदेश विकास की नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री साहेब ने कहा कि राज्य सरकार का बजट सभी वर्गों के विकास को केंद्र में रखकर तैयार किया जा रहा है। गरीबों को पक्का आवास, युवाओं को शिक्षा और रोजगार, तथा अन्नदाताओं को उचित मूल्य देना शासन की प्राथमिकता रही है। राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शासकीय विद्यालयों का उन्नयन और युक्तियुक्तकरण किया गया है। वहीं 14 मेडिकल कॉलेजों के संचालन के साथ नए नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना की जा रही है, जिससे युवाओं को चिकित्सा शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा स्वास्थ्य सेवाओं का भी विस्तार होगा। तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री साहेब ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश को नक्सलमुक्त बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य है कि दूरस्थ अंचलों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की सुविधाएँ पहुँचे। उन्होंने कहा, जब हम छत्तीसगढ़ की रजत जयंती मना रहे हैं, तब हमें संकल्प लेना चाहिए कि 2047 तक विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की शुरुआत अपने गाँवों से करें।

राज्योत्सव के पहले दिन प्रकाश अवस्थी स्टार नाइट ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

महासमुंद,4 नवंबर । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में महासमुंद जिले में राज्योत्सव कार्यक्रम का

शुभारम्भ महासमुंद लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर 23 विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का स्टॉल लगाया गया था। साथ ही छत्तीसगढ़ी लोक कला और संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में स्थानीय लोक कला मंच, लोक कलाकारों एवं राज्य के सुप्रसिद्ध कलाकारों का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रमुख कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध फिल्म कलाकार प्रकाश अवस्थी स्टार नाइट का मुख्य आकर्षण रहा। प्रसिद्ध कलाकार प्रकाश अवस्थी की लाइव प्रस्तुति ने पूरे माहौल को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। उन्होंने आमा पान के पतरी, मोर छईया भुईया, मया और टूरा रिक्शा वाला फिल्म के चुनिंदा और लोकप्रिय गीतों को अपनी सुमधुर आवाज की जादू से समा बांधा। दर्शक गीतों और प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद उठाते हुए झूम उठे। आयोजन स्थल पर दर्शकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति और उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा ने देर रात तक आनंद लिया। इसके अलावा स्थानीय कार्यक्रमों में पंथी दल मुडियाडीह द्वारा पारंपरिक पंथी नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुति ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति की समृद्ध विरासत को उजागर किया। इसी तरह स्कूल, कॉलेज के छात्र छात्राओं एवं अन्य दलों द्वारा प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की झलक प्रस्तुत करते हुए लोकनृत्य प्रस्तुतियां दी गईं, जिनका दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। सांस्कृतिक संध्या में आकर्षक योग नृत्य की प्रस्तुति ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तत्पश्चात लोक प्रयाग राजीव कला मंच द्वारा मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें लोकगीत और नृत्य का सुंदर संगम देखने को मिला। राज्योत्सव के शुभारंभ दिवस ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और जनमानस के उत्साह को शानदार रूप से प्रदर्शित किया।

वहीं आज दूसरे दिवस शाम 4:30 से शाम 5:00 बजे तक कमार जनजाति के पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति होगी। इसके बाद शाम 5:00 से 7:45 बजे तक अलग-अलग लोक नृत्य दल मंच पर अपनी संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे। रात 8:00 से 9:30 बजे तक फोक फ्यूज़न 36 बैंड अपनी धमाकेदार प्रस्तुति से दर्शकों का मनोरंजन करेगा।

04 अक्टूबर को समापन दिवस पर शाम 4:00 से शाम 4:30 बजे तक फुलझरिया कर्म पार्टी बिलखंड द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। 4:30 से 7:00 बजे तक विभिन्न लोक नृत्य समूह अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। शाम 7:30 से 7:45 बजे तक कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति होगी। इसके बाद 7:30 से 9:00 बजे तक श्रद्धा के फूल लोक कला मंच दर्शकों का मनोरंजन करेगा। मुख्य समापन कार्यक्रम 9:00 से 10:00 बजे तक रहेगा, जिसमें बॉलीवुड बैंड टीम अपनी शानदार प्रस्तुति देगी।

कमिश्नर ने लोहंडीगुड़ा तहसील के टाकरागुड़ा में गिरदावरी सत्यापन का लिया जायजा

जगदलपुर, 3 नवम्बर । कमिश्नर बस्तर संभाग श्री डोमन सिंह ने शनिवार को बस्तर जिले के लोहण्डीगुड़ा तहसील अंतर्गत टाकरागुड़ा में राजस्व एवं कृषि विभाग के अमले द्वारा किए जा रहे खरीफ फसल गिरदावरी सत्यापन कार्य का जायजा लिया और किसानों के क्षेत्राच्छादित फसल के अनुरूप रकबा का इंद्राज राजस्व रिकार्ड में दर्ज किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही फसल गिरदावरी सत्यापन के दौरान सम्बंधित किसानों की मौजूदगी भी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने राजस्व रिकार्ड का भी बारीकी से निरीक्षण कर फसल गिरदावरी सत्यापन स्थिति का संज्ञान लिया। वहीं मौके पर उपस्थित बंगाराम, झिमटू, सोमारू आदि किसानों से रूबरू चर्चा कर फसल की स्थिति, समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने के लिए किसान पंजीयन एवं एग्रीस्टेक पंजीयन समेत फसल गिरदावरी सत्यापन के बारे में जानकारी ली। साथ ही ग्राम पटेल सुखराम नाग एवं कोटवार शिवराम बघेल को राजस्व के कार्यों में नियमित तौर पर सहयोग देने की समझाइश दी। उन्होंने कोटवार शिवराम बघेल से वर्दी एवं टार्च की उपलब्धता के बारे में पूछा। इस दौरान अवगत कराया गया कि खरीफ फसल गिरदावरी सत्यापन का कार्य आगामी 30 नवम्बर तक किया जाएगा। इस मौके पर एसडीएम लोहण्डीगुड़ा श्री नीतिश वर्मा, तहसीलदार श्री कैलाश पोयाम सहित राजस्व एवं कृषि विभाग के मैदानी अमला मौजूद रहे।

राज्यस्तरीय कराते प्रतियोगिता में मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के छात्रों ने स्वर्ण एवं रजत पदक जीता

भाटापारा, 3 नवंबर। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के छात्रों द्वारा राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं की छात्रा वालिया साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया व कक्षा आठवीं के छात्र श्रेयांश जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीतकर शाला का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय में सतत् विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विविध प्रतियोगिताएं जिसमें शैक्षणिक, रंगोली एवं खेल गतिविधियां आयोजित की गई। जिसके अंतर्गत शाला में अंग्रेजी कविता, रंगोली, कबड्डी व रस्सी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कविता सुनाओ प्रतियोगिता कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के लिए रखी गई थी। जिसमें प्रतिभिगियों ने विभिन्न परिवेश धारण कर हाव-भाव के साथ अपनी कविता के माध्यम से फल, पेड़ लगाओ, बेटी बचाओ, पाठशाला, हेल्दी फूड और जंक फूड, ट्रैफिक नियम, दीपावली विषयों पर सुंदर कविताओं की प्रस्तुतियां दी। कक्षा नर्सरी में प्रथम स्थान हिना साहू, द्वितीय स्थान खुशिका यदु, तृतीय स्थान वोमेश देवांगन व सांत्वना पुरस्कार पार्थ शुक्ला और अमायरा फातिमा को मिला। कक्षा एलकेजी में प्रथम स्थान ईशा कुशवाहा, द्वितीय स्थान रेयांश कौशल साहू ,तृतीय स्थान लीना जायसवाल ,सांत्वना पुरस्कार प्रियांक साहू, नव्यांश चेलक व ऋषभ साहू को मिला। कक्षा यूकेजी में प्रथम स्थान प्रीशा सोनी, द्वितीय स्थान आदीशा सिंह, तृतीय स्थान सात्विका शर्मा, सांत्वना पुरस्कार शिवन्या गुप्ता को मिला। कक्षा पहली व दूसरी में प्रथम स्थान फैंटास्टिक सदन से गुंजन वर्मा, द्वितीय स्थान अंबिका चक्रवर्ती, तृतीय स्थान तृप्ति साहू व ब्रिलिएंट सदन से जय सोनकर, सांत्वना पुरस्कार ब्रिलिएंट सदन

से हिमेश कंवर, फैंटास्टिक सदन से दिव्यांशी साहू, जीनियस सदन से हर्ष कोसले, मार्बल्स सदन से सुनिधि साहू व सामर्थ शर्मा को मिला।रंगोली को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और लोक कलाओं में से एक माना जाता है। रंगोली के सुंदर रंग घर में खुशहाली एवं सुख समृद्धि लाते हैं। इन्हीं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी सभी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मक कला का प्रदर्शन किया। जिसमें कक्षा तीसरी से पांचवी में प्रथम स्थान जीनियस सदन से अवनी कश्यप, द्वितीय स्थान चित्रा साहू, द्वितीय स्थान ब्रिलिएंट सदन से महक यादव। सांत्वना पुरस्कार फैंटास्टिक सदन से इशिता देवांगन, जीनियस सदन से मनीशा साहू, मार्वलस सदन से पूनम साहू व तनु भानुशाली को मिला। कक्षा छठवीं से आठवीं में प्रथम स्थान मार्बल्स सदन से प्राची साव, द्वितीय स्थान फैंटास्टिक सदन से रिया दुबे, तृतीय स्थान जीनियस सदन से मान्या साहू, फैंटास्टिक सदन से काव्या देवांगन, सांत्वना पुरस्कार फैंटास्टिक सदन से सेजल साहू, मार्बल्स सदन से स्मृति यदु, ब्रिलिएंट सदन से गौरव वर्मा व अनन्या गुप्ता को मिला। कबड्डी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। यह मांसपेशियों को मजबूत करती है, सहनशक्ति को बढ़ाती है और टीम वर्क, स्फूर्ति, रणनीति बनाने और तेजी से निर्णय लेने जैसे कौशल विकसित करती है। इसके अतिरिक्त यह एक पारंपरिक भारतीय खेल है जो सांस्कृतिक विरासत और एकता को बढ़ावा देता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कक्षा छठवीं से आठवीं तक के छात्रों के लिए रखा गया। जिसके विजेता रहे मार्वलस सदन और उपविजेता रहे फैंटास्टिक सदन। इसमें बेस्ट राइडर का पुरस्कार मार्वलस सदन से मनीष पाल व बेस्ट डिफेंडर का पुरस्कार फैंटास्टिक सदन से अमन यदु को मिला। रस्सी कूद प्रतियोगिता कक्षा तीसरी से पांचवी तक की छात्राओं के लिए रखी गई थी। जिसमें प्रथम स्थान मार्वलस सदन से नंदिनी कुमारी, द्वितीय स्थान फैंटास्टिक सदन से गुंजन ध्रुव को मिला। इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती प्रीति ताम्हणे ने कहा कि ये प्रतियोगिताएं पुस्तकीय ज्ञान के अतिरिक्त समस्त शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए रखी गई है। विद्यार्थी जीवनकाल में जो सीखता है वह उसे जीवन में नई दिशा प्रदान करता है। उसका भविष्य प्रशस्त होता है। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को बधाई दी गई।

राज्योत्सव छत्तीसगढ़ के 25 वर्षों की विकास यात्रा है:रमन सिंह

राजनांदगांव 3 नवंबर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (म्यूनिसिपल स्कूल मैदान) राजनांदगांव में आयोजित राज्योत्सव 2025 कार्यक्रम में शिरकत की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सभी को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के बाद 26वें वर्ष में प्रवेश कर रहे है और आज छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव मना रहे है। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा है। राज्य निर्माण के प्रारंभिक वर्षों में छत्तीसगढ़ में क्षेत्रीय असंतुलन की स्थिति रही तथा कुपोषण एवं पलायन जैसी स्थिति एवं चुनौतियां थी। जनमानस की आशा, उम्मीदें और एक नई कल्पना को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नये राज्य का निर्माण किया। आज 25 साल की यात्रा पूरी होने के बाद छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता उन्हें बहुत धन्यवाद देती है। जिन उम्मीदों और विश्वास को लेकर उन्होंने एक नये राज्य का निर्माण किया, जिससे छत्तीसगढ़ विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने के दौरान राज्य निर्माण के प्रारंभिक वर्षों में अधोसंरचना की कमी महसूस हुई थी। जिसे पूरा करने के लिए तेजी से कार्य किए गए। प्रदेश में 40 हजार नये स्कूल खोले गए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय राजमार्ग के मार्ग के माध्यम

से लगभग 60 हजार सड़कों का जाल बिछाया गया। नर्सिंग कालेज की संख्या 1 से बढ़कर 84 हुई। मेडिकल कालेज की संख्या 2 से बढ़कर 15 हुई। कुपोषण एवं पलायन को रोकने के लिए खाद्यान्न सुरक्षा अधिनियम के तहत गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क चावल देने की व्यवस्था की गई, जिससे पलायन में कमी आयी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जा रही है। जिसके तहत प्रदेश में 145 लाख मीट्रिक टन रिकार्ड धान खरीदी की गई है और धान खरीदी का एक इतिहास बना है। किसानों को बोनस की राशि मिली। महतारी वंदन योजना के तहत 65 लाख महिलाओं के खाते में प्रतिमाह महिलाओं के खाते में 670 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की जा रही है।

एक नजर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राज्योत्सव का किया शुभारंभ

रायपुर, 3 नवंबर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्योत्सव स्थल पर लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने आमचो बस्तर हाट कियोस्क का उद्घाटन कर कलागुड़ी कैटलॉक का विमोचन किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दंतेश्वरी मैय्या की पवित्र धरा में जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया जा रहा है। हमारा छत्तीसगढ़ अब 25 बरस का हो गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने 25 वर्ष में सभी क्षेत्रों में विकास किया है। शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना सहित सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है जिनकी बदौलत देश में राज्य ने नई पहचान बनाई है। तेज गति से विकास के साथ ही बड़े-बड़े उद्योगों के लिए निवेश हो रहे हैं। श्री साव ने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों को सुरक्षा बलों और पुलिस के द्वारा नक्सल मुक्त किया जा रहा है। नक्सलियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी गई है। बस्तर अब देश और दुनिया में अपनी उत्कृष्ट कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और पर्यटन के लिए जाना जा रहा है। पूरे राज्य में रजत महोत्सव भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ लंबी उड़ान के लिए तैयार है। हम सभी को इसे हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए काम करना है। शुभारंभ कार्यक्रम को बस्तर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष श्री बलदेव मंडावी और जगदलपुर नगर निगम के सभापति ने भी संबोधित कर सभी को राज्योत्सव की बधाई और शुभकामनाएँ दीं। संभागायुक्त श्री डोमन सिंह, आईजी श्री सुंदरराज पी., कलेक्टर श्री हरीश एस. और जिला पंचायत के सीईओ श्री प्रतीक जैन सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

देवउठनी एकादशी पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा एवं पारंपरिक विधिविधान से तुलसी विवाह का आयोजन हुआ

रायपुर, 3 नवंबर। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक विधि-विधान के साथ तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने माता तुलसी एवं भगवान शालिग्राम का विवाह संपन्न कराया और सपरिवार पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि देवउठनी एकादशी धर्म, अध्यात्म और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है। भगवान श्री विष्णु के योगनिद्रा से जागरण के साथ ही शुभ कार्यों की पुनः शुरुआत होती है। तुलसी विवाह समाज में पवित्रता, सौहार्द और एकत्व की भावना को जागृत करता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं में तुलसी विवाह का विशेष महत्व है। यह पर्व हमें परिवार, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य और संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है। हमारी लोक संस्कृति में तुलसी विवाह को पवित्रता और समर्पण का प्रतीक माना गया है, जो जीवन में सात्त्विकता और सद्भावना का संचार करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता की मंगलकामना करते हुए कहा कि सृष्टि के पालनहार भगवान श्री विष्णु और माता तुलसी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो, तथा समूची सृष्टि में आरोग्य, सौहार्द और मंगलमय ऊर्जा का संचार हो। उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि जीवन में संतुलन, सकारात्मकता और नव आरंभ का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह के पावन अवसर की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध परंपराओं, लोकआस्था और

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से राज्य में 25 वर्षों में बनी 40 हजार किमी सड़कें

छत्तीसगढ़ के गांव-गांव तक बिछा सड़कों का जाल

रायपुर, 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ में पिछले 25 सालों में गांव-गांव में बिछे सड़कों के नेटवर्क ने राज्य के ग्रामीण इलाकों की काया पलट दी है। अब राज्य के गांवों में नई सड़कों से आ रहे बदलाव को महसूस किया जा सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने देश के ग्रामीण इलाकों में बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 2000 में शुरूआत की। यह योजना देश के साथ ही राज्य के ग्रामीण इलाकों में परिवर्तनकारी सिद्ध हुई।

छत्तीसगढ़ में इस योजना के जरिए लगभग 40 हजार किलोमीटर सड़कें बनायी जा चुकी है। राज्य निर्माण के पहले यहां सड़कों का औसत देश के पूर्वोत्तर राज्यों से भी नीचे था। उस समय यहां ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 4200 किलोमीटर सड़कें थी। इस स्थिति में यहां के लोगों के जीवन स्तर का अनुमान सहज रूप से लागाया जा सकता था। देश में जब यह योजना शुरू हुई तब ग्रामीण समृद्धि का नया दौर शुरू हुआ। सड़कें केवल आवागमन का जरिया नहीं बल्कि यह सामाजिक आर्थिक परिवर्तन का माध्यम भी है।

वर्तमान में ग्रामीण सड़कों के मजबूत नेटवर्क ने सुशासन और आंत्योदय के सपने को पूरा करने का मजबूत आधार दिया है। आज छत्तीसगढ़ के किसान अपने खलिहानों से धान की फसल खरीदी केन्द्रों तक आसानी से पहुचा पार रहे है। ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आसानी से राशन पहुंच रहा है। आंगनवाडियों के पोषण आहार में गड़बडी जैसे मामले अब देखने को नहीं मिल रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में भी सड़के मददगार सिद्ध हो रही है।

सड़कों के लोगों में गतिशीलता बढ़ी है। लोग रोजगार और स्वरोजगार के नए नए माध्यमों को अपना रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में लोग पुराने दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि गांव की सड़के बहुत दुरूह होती थी। कई बार नदी नालों को पार कर एक गांव से दूसरे गांव तक जाना पड़ता था। इस योजना ने उन्हें नई ताकत दी है। अब सड़के डामरीकृत होने के साथ ही पुल पुलिए बनने से आवागमन सहज हुआ है। छत्तीसगढ़ के शुरूआती 16 वर्षों में तेजी से ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ। लगभग 32 हजार किलोमीटर पक्की सड़कें और पुल -पुलिया बनायी गई। इन सड़कों के माध्यम से साढे 10 हजार से अधिक बसाहटों को जोड़ा गया। अब तक योजना में 40,415 किमी लंबी 8,310 सड़कों एवं 426 वृहद पुलों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इस योजना मे दूसरे और तीसरे चरण में 10 वर्ष पुरानी सड़कों का मजबूतीकरण और उन्नयन का कार्य किया गया। इस चरण में कुल 5,583 किमी लंबाई की 534 सड़कों एवं 82 वृहद पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण जा चुका है। स्वीकृत सभी परियोजनाएं शत-प्रतिशत पूर्ण की जा चुकी हैं। राज्य के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में नक्सली उन्मूलन की दिशा में इस योजना ने सार्थकता सिद्ध की है। इन क्षेत्रों में 12,459 किमी लंबाई की बनाई गई हैं। इससे 3,853 बसाहटें भी मुख्यधारा से जुड़ी । जिससे इन क्षेत्रों में आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था को नया आयाम मिला है। राज्योत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सराहना करते हुए कहा कि मैं राज्य निर्माण के पहले भी छत्तीसगढ़ आया करता था। उस समय गांवों तक पहुंच पाना बहुत मुश्किल होता था। कई गांवों में सड़क थे ही नहीं, 25 वर्षों में राज्य ने बहुत तरक्की की है। आज राज्य में 40 हजार किलोमीटर से अधिक लंबे सड़कों का जाल गांव गांव तक फैल गया है। उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सड़कों से जुड़ते गांव और सशक्त होते ग्रामीण मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में छत्तीसगढ़ के सतत प्रयासों का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने बताया कि चौथे चरण में जनजातीय क्षेत्रों और विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल गांवों में 8 हजार से अधिक किलोमीटर सड़के बनाए जाने की योजना है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना और आकांक्षी जिलों की बसाहटों में सड़कें प्राथमिकता से बनायी जाएंगी।

परिवहन विभाग दे रहा सुरक्षित वाहन संचालन और आधुनिक परिवहन सेवाओं की उपयोगी जानकारी

रायपुर, 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव-2025 में परिवहन विभाग का स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विभाग द्वारा यहाँ आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा, आधुनिक परिवहन सेवाओं और तकनीकी नवाचारों की जानकारी सरल और रोचक तरीके से दी जा रही है। राज्योत्सव में आए आगंतुकों ने परिवहन विभाग के इस स्टॉल को शिक्षाप्रद और जागरूकता बढ़ाने वाला बताया। स्लॉट में आने वाले लोगों ने परिवहन विभाग द्वारा प्रदर्शित पहलुओं को सड़क सुरक्षा और आधुनिक परिवहन प्रणाली की दिशा में एक सराहनीय प्रयास बताया है। स्टॉल में बड़े एलईडी स्क्रीन के माध्यम से 'वाहन चलाने से पहले और वाहन चलाने के दौरान सुरक्षित व्यवहार' पर आधारित वीडियो मॉड्यूल्स दिखाए जा रहे हैं। कुल 37 मिनट के 12 वीडियो मॉड्यूल्स के जरिए वाहन चालकों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। ये सभी मॉड्यूल्स 'सारथी परिवहन प्लेटफार्म' पर भी उपलब्ध हैं। स्टॉल में लगाए गए सिम्युलेटर के माध्यम से आगंतुक सुरक्षित वातावरण में वाहन चलाने का अभ्यास कर रहे हैं। यह सिम्युलेटर वाहन संचालन से पहले प्रशिक्षण का एक उपयोगी माध्यम साबित हो रहा है। परिवहन विभाग के स्टॉल में अंर्तविभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि स्टॉल में विभागीय कार्य में पारदर्शिता और आमजनों में जागरूकता लाने प्रमुखता से बस संगवारी ऐप, ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन पंजीयन प्रमाणपत्र, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट, परिवहन सुविधा केंद्र, इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड रिसर्च सेंटर, राहवीर योजना, शासकीय ट्रॉमा सेंटर और धनरहित उपचार योजना की जानकारी भी दी जा रही है।

रजत जयंती पर चेंबर ने मोदी का अभिवादन करते हुए जीएसटी 2.0 के लिये आभार व्यक्त किया

रायपुर 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने आज एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक अभिवादन किया। चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी के ऊर्जावान नेतृत्व में महामंत्री श्री अजय भसीन, और कोषाध्यक्ष श्री निकेश बरडिया सहित चेंबर के पदाधिकारीगण, विभिन्न व्यापारिक संघों के प्रमुख और बड़ी संख्या में व्यापारीगण जीएसटी मंच के समीप कतारबद्ध खड़े रहे और पूरे 2 घंटे से अधिक धैर्यपूर्ण इंतजार के बाद, चेंबर के लगभग 650 से अधिक व्यापारियों ने प्रधानमंत्री जी का गर्मजोशी से अभिवादन किया।

इस अवसर पर, चेंबर ने प्रधानमंत्री जी का जीएसटी में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने प्रदेश के 12 लाख से अधिक व्यापारियों की ओर से जीएसटी प्रणाली में और अधिक सरलता, पारदर्शिता तथा व्यापारी-हितैषी बदलावों को लागू करने हेतु जीएसटी 2.0 के लिए धन्यवाद दिया। यह जीएसटी 2.0 व्यापारियों के लिए व्यवसाय को और सुगम बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम होगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी व्यापारियों के इस विशाल समूह को हाथ हिलाकर उनका अभिवादन सहर्ष स्वीकार किया। चेंबर अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने कहा कि जीएसटी 2.0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में जीएसटी ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। छत्तीसगढ़ का व्यापारी समुदाय देश के आर्थिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर चेम्बर संरक्षक श्रीचन्द सुन्दरानी, प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, सलाहकार-लाभचंद बाफना, सरल मोदी, अमर गिदवानी, वाइस चेयरमेन चतन तारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष-राधाकिशन सुन्दरानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, कार्यकारी महामंत्री-कपिल दोशी, विकास आहूजा, उपाध्यक्ष-लोकेश चंद्रकांत जैन, दीपचंद कोटड़िया, दिलीप इसरानी, मनीज प्रजापति, संतोष जैन, श्रीमती सोनिया साहू, सुरेश भंसाली, दिनेश अठवानी, मंत्री-पंकज जैन, राजेन्द्र पारख महिला चेम्बर कोषाध्यक्ष नम्रता अग्रवाल सहित लगभग छः सौ पचास से अधिक व्यापारीगण शामिल हुए।

विधानसभा अध्यक्ष ने शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभागीय स्टॉल एवं प्रदर्शनी का किया अवलोकन

राजनांदगांव 3 नवम्बर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (म्यूनिसिपल स्कूल मैदान) राजनांदगांव में राज्योत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभागीय स्टॉल एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्योत्सव के अवसर पर जनसंपर्क विभाग के स्टॉल में शासन की लोकहितकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही छत्तीसगढ़ जनमन पत्रिका, छत्तीसगढ़ में सुशासन के लिए नवाचार ब्रोसर, विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम, छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पत्रिका का निःशुल्क वितरण किया गया। जनसंपर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी में शासन तथा जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों को प्रदर्शित किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में पोट्ठ लईका पहल के संबंध में जानकारी देते हुए बच्चों के सुपोषण के संबंध में जागरूक किया गया। पौष्टिक एवं मिलेट्स व्यंजन तथा स्थानीय भाजियों, तिरंगा भोजन पौष्टिक आहार की प्रदर्शनी लगाकर जानकारी प्रदान की जा रही है। जनमानस को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के संबंध में बताया जा रहा है। कृषि विभाग के स्टॉल में रबी फसल चक्र परिवर्तन अंतर्गत धान के बदले कम पानी की आवश्यकता वाले फसलों को बढ़ावा देने के संबंध में जानकारी दी गई। महिला स्वसहायता समूह के उत्पादों रागी, कोदो, तेलघानी का सरसो तेल, जैविक चावल, बिक्री के लिए उपलब्ध रहे। वही कृषक पाठशाला में किसानों को शासन की विभिन्न लोकहितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। चना फसल की उन्नत उत्पादन तकनीक, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मक्का की उन्नत उत्पादन तकनीक, जैविक खेती से अवगत कराया गया। कृषि कार्य के प्रमुख यंत्र के संबंध में बताया गया। उद्यानिकी विभाग के स्टॉल में गेंदा की खेती, शिमला मिर्च, केला, पपीता, बैंगन, टमाटर एवं अन्य उद्यानिकी फसलों के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर किसानों को फसल चक्र परिवर्तन के लिए प्रेरित किया गया।

शिक्षा विभाग के स्टॉल में चंद्रयान-3 का मॉडल, पर्यावरण में मिथेन गैस पर आधारित विषैली एवं प्रदूषित गैस को अवशोषित कर दूर करने का मॉडल प्रदर्शित किया गया तथा स्कूली बच्चों के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के स्टॉल में चिला, फरा, चौसेला, अईरसा, ठेठरी खुर्मी जैसे व्यंजन उपलब्ध है। सीएसईबी के स्टॉल में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी दी जा रही है और लोगों को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस विभाग के स्टॉल में साइबर जागरूकता, सड़क सुरक्षा, नवा विहान की जानकारी दी जा रही है तथा विभिन्न शस्त्रों का प्रदर्शन किया गया है। परिवहन विभाग के स्टॉल में लर्निंग लायसेंस बनाने तथा हाई सिक्युरिटी नंबर प्लेट संबंधी कार्य किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान, राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी मातृत्व कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी जा रही है तथा शुगर एवं बीपी जांच की जा रही है।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित एनएसएस की छात्रा लेखनी साहू ने राज्यपाल से की भेंट

रायपुर, 3 नवंबर। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित कोरबा जिले के एनएसएस की छात्रा कुमारी लेखनी साहू ने आज राजभवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। राज्यपाल ने लेखनी साहू के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

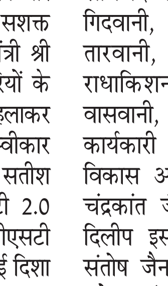

कुमारी लेखनी साहू को विगत 6 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया था। सुश्री लेखनी ने समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा जागरूकता और शासन की योजनाओं को आम जनता तक पहुँचाने जैसे कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई है। राज्यपाल रमेन डेका ने उनसे उनके अनुभवों पर चर्चा की और कहा कि ऐसे युवा समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने लेखनी को सतत रूप से समाजसेवा के कार्यों में जुड़े रहने और दूसरों के लिए मिसाल बनने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर छात्रा के परिजन भी उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

शिल्पग्राम में झलकी छत्तीसगढ़ की परंपरा और रचनात्मकता

रायपुर, 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ रजत जयंती के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित भव्य राज्योत्सव में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। राज्योत्सव परिसर में निर्मित शिल्पग्राम में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और विभिन्न स्टॉलों से मनपसंद चीजों की खरीददारी कर रहे हैं। यहां प्रदेशभर से आए बुनकर और शिल्पकार अपने श्रेष्ठ उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रहे हैं, जिनमें कोसा और रेशमी साड़ियाँ, पारंपरिक ड्रेस मटेरियल, खादी परिधान, बेलमेटल, काष्ठ कला, माटी कला और टेराकोटा की आकर्षक वस्तुएँ आगंतुकों को खूब लुभा रही हैं।

महोत्सव में स्थापित शिल्पग्राम प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति और शिल्पकला का केंद्र बिंदु बना हुआ है। यहां हस्तशिल्प, माटीकला, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, रेशम प्रभाग, बिलासा हैंडलूम, हथकरघा इत्यादि के स्टाल लगाए गए हैं। साथ ही राज्योत्सव घूमने आए लोगों के लिए विशेष सजावट कर रंग-बिरंगे और छत्तीसगढ़ के पारंपरिक आभूषणों, पर्वों के प्रतीकों पर आधारित सेल्फ़ी पॉइंट भी बनाए गए हैं, जिसमें सेल्फ़ी लेने की होड़ मची है।

यहां बिचौलियों के अभाव में ग्राहकों को उचित मूल्य पर उत्पाद सुलभ हो रही हैं, वहीं शिल्पियों को भी बेहतर आय हो रही है। कुछ दुकानों में अच्छे उत्पाद बाजार से कम मूल्य पर भी उपलब्ध है। ग्राहकों को शिल्पकारों और बुनकरों द्वारा उत्पादों में छूट भी दी जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दिए गए इस मंच ने स्थानीय कला, हस्तशिल्प और उत्पादों को नई पहचान देने के साथ ही बाजार उपलब्ध कराया है। शिल्पग्राम में स्थापित रेशम कीट और तितली कोकून की अनोखी कलाकृति भी लोगों के बीच रुचि का विषय है। शिल्पग्राम इस बार रजत जयंती महोत्सव की शोभा बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत का भव्य उत्सव बना हुआ है और लोगों को प्रदेश की लोककला, हस्तकला और परंपराओं का अद्भुत अनुभव प्रदान कर रहा है।

नाबार्ड की मदद से महिला समूह बन रहे आत्मनिर्भर

रायपुर, 3 नवंबर। नवा रायपुर में चल रहे पांच दिवसीय राज्योत्सव में इस बार परंपरा, संस्कृति और आत्मनिर्भरता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों से आए नाबार्ड सहायतित स्व-सहायता समूहों ने अपने-अपने क्षेत्र की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और नवाचार को मंच पर प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। राजनांदगांव जिले के जय सेवा हस्तशिल्प आर्ट गायत्री स्व-सहायता समूह ने राज्योत्सव में अपनी कलात्मकता और उद्यमशीलता की झलक प्रस्तुत कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। समूह की महिलाएँ मिट्टी और बांस कला से लेकर वस्त्र कला तक में अपनी पहचान बना रही हैं। समूह द्वारा निर्मित मिट्टी कला उत्पादों झूमर, दिया सलाई स्टैंड, फूलदानी, हैंगर, कुर्ती ड्रेस, लैम्प और ज्वेलरी ने स्टॉल पर आने वाले आगंतुकों को छत्तीसगढ़ी कला की जीवंतता का अनुभव कराया।

इसी के साथ नाबार्ड सहायतित समूहों के स्टॉल में बांस कला के तहत टी-ट्रे, हैंगर, सजावटी वस्तुएँ और कपड़ों पर हेंड प्रिंटिंग, गोदना आर्ट, टेक्सटाइल डिज़ाइन, कोसा सिल्क, खादी सिल्क और कॉटन पर लोककला डिज़ाइनिंग जैसे कार्यों ने पारंपरिकता और आधुनिकता का सुंदर संगम देखने को मिला।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में नाबार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नाबार्ड सहायतित स्व-सहायता समूहों को न केवल हुनर सिखाया जा रहा है, बल्कि उन्हें अपने उत्पादों का विपणन पैकेजिंग और वित्तीय प्रबंधन का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण से लाभान्वित महिलाएँ आज आत्मनिर्भर बनकर स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में योगदान दे रही हैं। जय सेवा हस्तशिल्प आर्ट, शबरी मार्ट, बांस हस्तशिल्प, कोसा सिल्क और खादी कला प्रदर्शनी ने दर्शकों को आकर्षित किया। इन स्टॉलों में परंपरा, पर्यावरण और उद्यमशीलता का सुंदर मिश्रण देखने को मिला। महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों की बिक्री से उन्हें अच्छी आय प्राप्त हो रही है। कई समूहों ने बताया कि राज्योत्सव जैसे मंचों से उन्हें न केवल आर्थिक सहयोग मिलता है, बल्कि आत्मविश्वास और नई पहचान भी मिलती है। राज्य में नाबार्ड द्वारा कृषि, ग्रामीण उद्यम, हस्तशिल्प, बांस मिशन, महिला आजीविका कार्यक्रम, किसान क्लब, कौशल विकास प्रशिक्षण जैसे कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है, बल्कि हजारों महिलाएँ और युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के विश्वविजेता बनने पर मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

रायपुर,3 नवम्बर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्वविजेता बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन, समर्पण और अदम्य जज़्बे से देश का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि पूरे भारत के लिए गौरव का क्षण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत हर उस बेटी के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को साकार करने का साहस रखती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि को परिश्रम, आत्मविश्वास और संकल्प की जीत बताते हुए कहा कि यह जीत देशभर में महिला खेल प्रतिभाओं को नई दिशा देगी।

एक नजर

ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर, 3 नवम्बर। डीआरएम ऑफिस के सामने ई-रिक्शा चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार को टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में खमतराई पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक रविन्द्र सोना 24 वर्ष जागृतिनगर खमतराई का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी डीआरएम ऑफिस के सामने ई-रिक्शा चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मामले में खमतराई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं ई-रिक्शा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चाकू लहराकर आतंक फैलाता युवक गिरफ्तार

रायपुर, 3 नवम्बर। गंज थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन शराब दुकान के पास चाकू लहराकर आतंक फैलाते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार गंज थाना पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन शराब दुकान के पास एक युवक चाकू लहराकर आतंक फैलाते हुए डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी विष्णु राजपूत 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

एयर शो 5 को

रायपुर 3 नवंबर। राज्य स्थापना के 25 साल पूरे होने पर राज्योत्सव के अंतिम दिन 5 नवंबर को नवा रायपुर में एयर शो का आयोजन किया जा रहा है. सेंध तालाब के ऊपर एयरफोर्स की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम एयर शो करेगी. सुबह 10 से 12 बजे के मध्य एक-एक घंटे का कार्यक्रम होगा. पहले वायुसेना के चुनिंदा लड़ाके हेलीकॉप्टर पर करतब दिखाएंगे. जवानों द्वारा 8 हजार फीट की ऊंचाई से पैरा जंपिंग की जाएगी. इसके बाद एयरोबेटिक शो होगा. सेंध तालाब के आसपास एक लाख दर्शकों के लिए तैयारियां की जा रही है।

दलदल सिवनी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट नहीं जलने से रात में आवाजाही प्रभावित

रायपुर, 3 नवंबर। मोवा ओव्हरब्रिज से दलदल सिवनी विज्ञान केंद्र को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर लंबे समय से स्ट्रीट लाइट नहीं जलने से लोगों को आवाजाही में रात के समय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञात हो कि दलदल सिवनी क्षेत्र से दुबे कालोनी अनेक अपार्टमेंटस जैसे अवनि विहार फेस 1 फेस 2 सर्वम सीजी हाइट्स सहित मुख्य पानी टंकी के आसपास के अंदरूनी गलियों में भी रात के समय अंधकार छाया रहता है। क्षेत्र की नेहा यादव एवं ईश्वरी साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद एवं जोन आयुक्त को भी रहवासियों ने स्ट्रीट लाइट नहीं जलने के बारे में अनेकोंबार जानकारी दी है। इसके बाद भी स्ट्रीट लाइट नहीं जल रही है। दलदल सिवनी क्षेत्र में कुत्तों की संख्या भी काफी है। जो रात को आवाजाही करने वालों को दौड़ाते हैं जिसके चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है।

नियद नेल्लानार योजना का बढ़ा दायरा

रायपुर, 3 नवम्बर । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा, नियद नेल्लानार योजना का क्षेत्रफल अब 10 किलोमीटर तक बढ़ा दिया गया है। साथ ही उन्होंने प्रदेश में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया का स्वागत किया और विपक्ष को अवसरवादी बताते हुए कहा, उनकी बातों में कोई दम नहीं है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मीडिया से बातचीत के दौरान नियद नेल्लानार और प्रदेश में भर में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बड़ी बात कही है। नियद नेल्लानार योजना का क्षेत्रफल अब बढ़ा दिया गया है। सुरक्षा कैंप से अब सिर्फ5 किलोमीटर नहीं बल्कि 10 किलोमीटर तक के क्षेत्र का विकास होगा।

PICTURE-स्टोरी

रायपुर, 3 नवंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत पर राजधानी के जयस्तंभ चौक पर मनाया गया जश्न।

दादागुरुदेव की बड़ी पूजा 5 को

रायपुर 3 नवंबर। जैन चातुर्मास के समापन पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में श्री सिद्धाचल के पट्ट के सम्मुख चैत्यवंदन किया जावेगा । कार्तिक पूर्णिमा के शुभ दिवस 10 करोड़ मुनि सिद्धाचल पर्वत पर मोक्ष सिधारे थे । श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि 5 नवम्बर बुधवार कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर

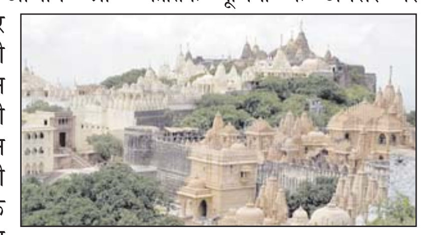

दादागुरुदेव की बड़ी पूजा प्रातः 9 . 30 बजे से आरम्भ होगी । पूजा पश्चात गुरुप्रसादी लाभार्थी परिवारों की ओर से रखी गई है ।

नवा रायपुर में चेरिया-पौंता की सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि का बदला उपयोग

रायपुर 3 नवंबर। नवा रायपुर अटल नगर के अंतर्गत ग्राम चेरिया व पौंता की सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि का भू-उपयोग बदलकर सार्वजनिक-अर्द्ध सार्वजनिक कर दिया गया है. नवा रायपुर अटल नगर में शिक्षा संबंधी प्रयोजनों, रोजगार, बसाहट व निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए यह भू-उपयोग बदला गया है. आवास व पर्यावरण विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है.

नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना 2031 के अंतर्गत ग्राम चेरिया व पौंता की यह जमीन पहले कृषि थी, जिसे अब बदलकर अब सार्वजनिक-अर्द्धसार्वजनिक किया गया है. बताया गया है कि भू- उपयोग परिवर्तन के लिए समाचार पत्रों पर सूचना प्रकाशित कर आपत्ति व सुझाव या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है. ग्राम चेरिया-पौंता के आसपास बसाहट के साथ ही शहरीकरण व अन्य व्यावसायिक गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं. राज्य सरकार इस क्षेत्र में शिक्षा संबंधी प्रयोजन, बसाहट, रोजगार व निवेश बढ़ाना चाह रही है. इसके लिए कृषि भूमि को सार्वजनिक-अर्द्धसार्वजनिक उपयोग में परिवर्तित किया जा रहा है. बदलती अर्थव्यवस्था, शैक्षिक व व्यवसायिक गतिविधियों के बढ़ने के कारण गैर-कृषि उपयोगों के लिए भूमि की मांग भी बढ़ रही है. गौरतलब है कि ग्राम चेरिया-पौंता का क्षेत्र ऐतिहासिक भी है. छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इसी जगह पर नई राजधानी का शिलान्यास कराया था. बाद में, इस क्षेत्र की लगभग दो सौ एकड़ जमीन इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रायपुर को आवंटित कर दी गई. यह जमीन मूल रूप से सरकारी थी, जिसे बाद में कुछ संस्थानों को लीज पर दिया गया. इस जमीन का उपयोग अब मुख्य रूप से शैक्षिक और नवा रायपुर अटल नगर क्षेत्र के विकास के लिए किया जा रहा है.

रायपुर की रागिनी राघव ने नेशनल पॉवर लिफ्टिंग में किया कमाल, दो गोल्ड मेडल किए अपने नाम

रायपुर 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित ईस्ट-वेस्ट पॉवर लिफ्टिंग महापौर ट्रॉफी नेशनल पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर के बुढेश्वर महादेव मंदिर भवन में किया गया। प्रतियोगिता में सब-जूनियर वर्ग में रायपुर की रागिनी राघव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुल पॉवर लिफ्टिंग में 120 किलोग्राम वजन उठाकर दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।रागिनी की इस उपलब्धि पर रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी ने उन्हें प्रोत्साहित किया और

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।इस प्रतियोगिता में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का मान बढ़ाया।

एग्री-स्टेक पंजीयन की समय सीमा बढ़ाने की मांग सीएम से की

रायपुर 3 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर एग्री-स्टेक पंजीयन की समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया। श्री ठाकुर ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि प्रदेश के काफी किसान 31 अक्टूबर तक की निर्धारित समय सीमा में एग्री-स्केट पंजीयन नहीं करा पाए हैं। इसके चलते उन्हें इस वर्ष धान विक्रय से वंचित होना पड़ेगा। साथ ही, इस पंजीयन में तकनीकी त्रुटियाँ भी काफी आ रही हैं।

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान में दम नहीं:अजय

रायपुर 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ में 4 नवंबर से विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत घर-घर गणना चरण की शुरुआत होगी. इस बीच कांग्रेस के प्रक्रिया पर उठाए जा रहे सवाल और वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने बयान दिया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन काल में देश में 10 बार एसआईआर हुआ है. यह निर्वाचन आयोग की नियमित प्रक्रिया है. कांग्रेस के वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान में दम नहीं है. वह केवल इधर-उधर की बातें करती है.

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण को लेकर सवाल उठाया था कि क्या सरेंडर से पहले सरकार और नक्सलियों के बीच कोई शांति वार्ता हुई थी. इस पर पलटवार करते हुए विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि सरकार और नक्सलियों के बीच कोई गोपनीय वार्ता नहीं हुई है और सरकार का स्टैंड पूरी तरह सही है. उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस यह बताए कि उनकी सरकार में नक्सलवाद कैसे फैला? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि झीरम कांड के आरोपियों को कांग्रेस ने खुद नहीं पकड़ा. वहीं दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस का नक्सलियों के साथ संबंध रहा है.

कांग्रेस जिलों अध्यक्षों के चयन में देरी, स्रू चंद्राकर ने ली चुटकी: कांग्रेस जिलों अध्यक्षों के चयन में देरी पर विधायक अजय चंद्राकर ने चुटकी ली है. विधायक चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस का हाईकमान बिहार में मछली पकड़ रहा है. जब फुर्सत होगी तभी जिला अध्यक्ष चुन पाएंगे. अगर जिलाध्यक्ष चयन की ज्यादा जल्दी है तो गंगरेल में मछली पकड़ने आएं. कांग्रेस में कुछ भी हो जाए लेकिन केवल एक परिवार की चलेगी. कांग्रेस में माता के कहने पर, भाई के कहने पर, बहन के कहने पर काम होता है.

डबल इंजन की सरकार ने चुनावी वादों को पूरा नहीं किया : कांग्रेस

रायपुर 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पीसीसी डेलीगेट एवं पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत धरसीवा राजेंद्र प्रसाद बंजारे ने आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन सरकार के सत्ता में आने के 2 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में जनता से किए गए भ्रामक वादों को पूरा करने में यह सरकार पूरी तरह विफल रही है। भाजपा ने चुनावी घोषणा-पत्र मोदी की गारंटी के नाम पर लाखों नौकरियां, किसानों के लिए मुफ्त बिजली, आदिवासी-किसान कल्याण तथा बुनियादी ढांचे के विकास जैसे बड़े-बड़े वादे किए थे। लेकिन आज दो वर्ष बाद भी ये वादे कागजों पर ही सिमटे हुए हैं, जिससे प्रदेश की जनता में व्यापक असंतोष व्याप्त है। श्री बंजारे ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने चुनाव पूर्व 36 बड़े वादे किए थे, जिनमें से 19 अभी तक पूरे नहीं हुए हैं, जबकि छोटे वादों में से 316 बाकी पड़े हैं।, लाखों युवाओं को नौकरियां नहीं दी गई,और आदिवासी क्षेत्रों में विकास कार्य ठप पड़े हैं। इसके विपरीत, भ्रष्टाचार के आरोपों और भेदभावपूर्ण नीतियों से राज्य का विकास रुक गया है। डबल इंजन सरकार का दावा करने वाली भाजपा ने केंद्र-राज्य समन्वय के नाम पर केवल सत्ता का दुरुपयोग किया है, जबकि जनता की समस्याएं जैसे बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी बढ़ती जा रही हैं।

सरकार बताये नक्सलियों से क्या गोपनीय शांति वार्ता हुई : बैज

रायपुर 3 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा नक्सल मामले में कांग्रेस पर लगाए आरोपों पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 1 प्रदेश में सबसे ज्यादा समय तक भाजपा की सरकार थी। भाजपा सरकार के 15 सालों में नक्सलवाद बस्तर की तीन ब्लाक से निकल कर प्रदेश के 14 जिलों तक पहुंचा है। कांग्रेस की सरकार के पांच साल में नक्सलवाद बस्तर के 40 किमी के दायरे में सिमट गया। 2022 में खुद मोदी सरकार ने गृह मंत्रालय ने इस बात को स्वीकारा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद घटनाओं में 80 प्रतिशत की कमी आई है। देश के प्रधानमंत्री नक्सलवाद जैसे विषय पर स्तरहीन राजनीति कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार के द्वारा नक्सलियो के समर्पण कराये जाने पर सवाल पूछा कि सरकार बताये समर्पण के पहले नक्सलियों और सरकार के बीच क्या शांति चर्चा हुई? तथा उस शांति वार्ता के तथ्य क्या थें? नक्सल सरेंडर के बाद पूरे बस्तर में अघोषित रूप से नक्सल ऑपरेशन बंद क्यों हुआ? बस्तर में जब 200 नक्सलियों ने समर्पण किया उस समय दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर डेढ़ घंटे तक मुख्यमंत्री और दोनो उपमुख्यमंत्री बंद कमरे में बैठे रहे, लेकिन सरेंडर स्थल पर क्यों नहीं गये? सरेंडर के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करके वापस आ गये।

बैज पहले अपने शासनकाल की वादाखिलाफी याद करें: कश्यप

रायपुर 3 नवंबर। छत्तीसगढ़ के वन और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि सांस्कृतिक परम्पराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और छत्तीसगढ़ व देश के संत-महात्माओं व महापुरुषों की स्मृतियों से गौरवान्वित राज्योत्सव के रजत जयंती वर्ष के मौके पर भी कांग्रेस रूदाली-रोदन की अपनी नियति से उबर नहीं पाई। श्री कश्यप ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकार वार्ता पर तीखा पलटवार करते हुए नसीहत दी कि बैज को अपनी याददाश्त दुरुस्त करने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए अन्यथा उथले बयानों से बैज और कांग्रेस, दोनों की जगहँसाई होते देर नहीं लगेगी। प्रदेश के वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बैज को रूदाली-प्रलाप करने से पहले अपने शासनकाल की वादाखिलाफी को ध्यान में रखना चाहिए। भाजपा के वादों और मोदी की गारंटी पर सवाल उठाने का तो बैज को कोई नैतिक अधिकार ही नहीं है। सन 2018 के चुनाव में छत्तीसगढ़ से छत्तीस वादे करके उन वादों से साफ मुकर?कर प्रदेश की जनता से छलकपट करने वाली कांग्रेस आज भाजपा के वादों पर ज्ञान बाँटने की निर्लज्जता का प्रदर्शन कर रही है।

खुद राहुल गांधी ने 2018 में छत्तीसगढ़

बारिश से फसल खराब, कांग्रेस ने सर्वे कराकर मुआवजे की मांग की

रायपुर 3 नवंबर। बे मौसम बारिश से फसल खराब होने पर किसानों को मुआवजा देने की मांग करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोंथा चक्रवात के चलते बे मौसम बारिश से रायपुर बिलासपुर कवर्धा रायगढ़ जगदलपुर सरगुजा सहित कई जिलों में किसानो की खड़ी एवं कटी फसल खराब हो गई है।जिसे किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है उनकी साल भर की मेहनत पर पानी फिर गया।फसल खराब होने से किसान तनाव में भयभीत है ऐसे में सरकार तत्काल किसानों की नुकसान का सर्वे कराकर क्षतिपूर्ति राशि दे।जिसे किसानो को राहत मिले।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों को अनेक प्रकार से परेशानियों का सामना करना पड़ा है खाद बीज की संकट बिजली की कटौती पर्याप्त बारिश नहीं होना उसके बाद अब फसल तैयार होने के बाद जो बे मौसम बारिश हो रही है वह किसानों के ऊपर वज्रपात है ऐसे समय में सरकार को किसानों के हुए नुकसान की सर्वे के लिए देरी नहीं करना चाहिए आर्थिक मदद करना चाहिए और तत्काल धान खरीदी शुरू करना चाहिए ताकि जिन किसानों की फसल कट चुकी है वह अपना धान बेच सके। क्योंकि आने वाले दिनों में भी बारिश की संभावना जताई जा रही है इससे किसान चिंतित है किसान की फसल खराब होने से उन्हें भारी आर्थिक चोट पहुंचेगी किसान कर्ज के बोझ तले दब जाएंगे। धान खरीदी के दौरान किसानों के सभी धान को खरीदा जाए जिन धानों में पानी पड़ चुका है उन्हें भी सरकार खरीदे धान को रिजेक्ट ना करें। धान की नमी ज्यादा होने का बहाना बनाकर किसानों को परेशान न किया जाए यह समय किसानों के साथ खड़े होने का है किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीड की हड्डी है किसान आर्थिक रूप से सक्षम होगा तो प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

भोजन करने गए प्रॉपर्टी डीलर को अपने ही लोगों ने पीटा

रायपुर 3 नवंबर। आमानाका इलाके में स्थित हर्षित फर्रच्युना अपार्टमेंट में एक महिला के घर भोजन करने गए प्रॉपर्टी डीलर को उसी के बेटे समेत घर के अन्य लोगों और ससुराल वालों ने जमकर पीटा. कोटा बड़ा भवानी नगर निवासी घायल ईश्वर साहू ने पुलिस को बताया कि वह जमीन खरीदी-बिक्री व समाजसेवा का कार्य करता है. विवाद के कारण वह कई साल से अपने घरवालों से अलग रहता है. 30 अक्टूबर को वह अपार्टमेंट में एक महिला के घर खाना खाने गया था. वहां ससुराल वाले और परिवार के लोग पहुंच गए और एक राय होकर महिला व उसके साथ गाली-गलौज करके मारपीट शुरू कर दी. बेटे मनीष ने पिटाई करते हुए मोबाइल पटककर तोड़ दिया. मारपीट में महिलाएं भी शामिल थीं. रिपोर्ट में घायल ने बताया कि उसके साथ पहले भी घर और ससुराल वाले मारपीट कर चुके हैं. जमा हो गई कॉलोनी में भीड़, जताई गई नाराजगी-इधर कॉलोनी में होहल्ला और मारपीट होने पर भारी भीड़ जमा हो गई. लोग घरों से बाहर निकल गए. मारपीट करने वाले परिवार के लोग समाजसेवी व प्रॉपर्टी डीलर पर कई तरह के आरोप लगाते रहे. पुलिस रिपोर्ट में 10 आरोपियों के नाम लिखे गए हैं, जिसमें घायल के पुत्र, पुत्री तो शामिल हैं ही, ससुराल के भी रिश्तेदार हैं. कॉलोनी के लोगों ने भी इस घटना पर नाराजगी जताई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है पुलिस के मुताबिक हाथ-मुक्के से की गई मारपीट से ईश्वर साहू और महिला दोनों को काफी चोटें आई हैं. महिला का नाक व मुंह से खून भी निकलने लगा था।

एजेंसी देनी है

'दैनिक तरुण छत्तीसगढ़' की प्रदेश के अप्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों में एजेंसी देनी है। पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक शीघ्र संपर्क करें।

संपर्क:- 7999952703, 9826194896

जयंती — रायपुर के वीआईपी रोड स्थित खनिज नगर, मौली श्री विहार स्थित, शिव, विट्ठल एवं श्री नामदेव मंदिर में बड़े धूमधाम से मनाई गई

नामदेव समाज विकास परिषद ने निकाली कलश यात्रा

रायपुर 3 नवंबर। श्री नामदेव समाज विकास परिषद जिला शाखा द्वारा नामदेव जयंती का कार्यक्रम मनाया जा रहा है। परिषद ने कलश यात्रा निकाली प्रथम दिवस देवउठनी एकादशी के अत्यंत ही पावन अवसर पर संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज की 755 भी जयंती रायपुर के डूढ्क्क रोड स्थित खनिज नगर, मौली श्री विहार स्थित, शिव, विट्ठल एवं श्री नामदेव मंदिर में बड़े धूमधाम से मनाई गई। आज दूसरे दिन सुबह बूढ़ा तालाब गणेश मंदिर से ढोल धमाके के साथ कलश यात्रा निकाली और यह कलश यात्रा शहर में घूमते हुए दत्तात्रेय मंदिर बूढ़ापारा पहुंची वहां पहुंचकर पूजा अर्चना की और नामदेव महाराज

की आरती की गई इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया इस कलश यात्रा में छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती डॉक्टर वर्णिका शर्मा एवं श्री परम पूज्य श्री राजेश्वरानंद जी महामंडलेश्वर एवं श्री हरि बल्लभ अग्रवाल जी दत्तात्रेय मंदिर अध्यक्ष जी नामदेव समाज की कलश यात्रा में शामिल हुए इस कलश यात्रा में सैकड़ो महिलाओं ने अपने सिर के ऊपर कलश रखकर एवं पीले वस्त्र पहनकर शोभा बढ़ाई एवं समाज के वरिष्ठ लोग और नव युवा युवतियो ने बच्चों ने इस कलश यात्रा मे सम्मिलित होकर अपने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। आज की इस कल से यात्रा में समाज के सभी स्वजन बंधुओ एवं सभी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया साथ ही बच्चों ने भी भरपूर आनंद लिया।

इसी कड़ी में हमारे जो कार्यक्रम है वह निरंतर 9 तारीख तक चलेंगे और सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम 9 नवंबर दिन रविवार को रविंद मंच कालीबाड़ी मे एक विशाल आयोजन होगा रायपुर समाज की सभी बंधुओ से मेरा निवेदन है अपने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आपकी उपस्थिति अनिवार्य है क्योंकि यह कार्यक्रम आपका ही है और आपको ही सफल बनाना है आप सभी लोग परिवार सहित जरूर पधारे जय संत नामदेव महाराज की।

एनएमडीसी
NMDC

एनएमडीसी लिमिटेड (NMDC LIMITED)
बैलाडीला आयरन ओर माइन, किरंदुल कॉम्प्लेक्स,
Bailadila Iron Ore Mine, Kirandul Complex
किरंदुल - 494556, जिला - दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छग) भारत
Kirandul – Distt – SOUTH BASTAR DANTEWADA (C.G) INDIA

एनएमडीसी
NMDC

शुद्धि पत्र (Corrigendum)

क्रमांक : केसी/प्र.एवं सु./2025 दिनांक 26.10.2025 में आंशिक संशोधन

'अप्रेन्टिस ट्रेनिंग के लिए वॉक इन इंटरव्यू की अधिसूचना' के क्रमांक (स) में तकनीशियन डिप्लोमा अप्रेन्टिस की अर्हता को डिग्री के स्थान पर संबंधित ब्रांच में डिप्लोमा पढ़ा जाए।

सहायक महाप्रबंधक (खनन)
प्रशिक्षण एवं सुरक्षा विभाग

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26